डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 177 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 06 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

चार राज्यों में अक्टूबर 2026 से जातीय जनगणना

पहले फेज में हिमाचल, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड, बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार दो फेज में जातीय जनगणना कराएगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना भी कराने का फैसला लिया गया है। इससे जुड़ा नोटिफिकेशन 16 जून 2025 तक आधिकारिक राजपत्र में पब्लिश किया जाएगा।

केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। गृह मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज में बताया कि जातीय जनगणना दो फेज में कराई जाएगी।

2011 में सामाजिक-आर्थिक गणना हुई, आंकड़े जारी नहीं

मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके एससी-एसटी हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

इलॉन मस्क के पिता कुर्ता-पायजामा में अयोध्या पहुंचे

- हाथ जोड़कर नमस्कार किया; बेटी भी साथ, रामलला के दर्शन किए

अयोध्या (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क के पिता इरॉल मस्क बुधवार को अयोध्या पहुंचे। वे दिल्ली से प्राइवेट जेट से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ बेटी

एलेक्जेंड्रा मस्क, मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा समेत 16 लोग आए हैं।

कुर्ता-पायजामा पहने इरॉल मस्क एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर पहुंचे। वहां दर्शन-पूजन के बाद हनुमानगढ़ी रवाना हो गए। करीब 40 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे। इसके बाद हनुमानगढ़ी में 15 मिनट रुकेंगे। यहां मीडिया से बातचीत का कार्यक्रम था, हालांकि बाद में उसे कैंसिल कर दिया गया है। थ्री लेयर सिक्योरिटी का इंतजाम है। ड्रोन, सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है।

आरसीबी की जीत के जश्न में भगदड़, 10 की मौत, 24 घायल

कर्नाटक के डिप्टी सीएम बोले- कितनी मौतें हुईं, अभी यह कन्फर्म नहीं

बेंगलूर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की विक्ट्री परेड में बुधवार को भगदड़ मच गई। मीडिया के मुताबिक, बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए हैं।

सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा उस वक्त हुआ जब विधानसभा में टीम का सम्मान हो रहा था। इस दौरान भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा।

भगदड़ चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची, यहां पर भी हजारों फैंस मौजूद थे। भगदड़ से पहले ही एक बच्चा बेहोश हो गया था। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा- लाखों की भीड़ मौजूद थी। हम अभी स्थिति को सामान्य करने में जुटे हैं। कितनी मौतें हुईं, अभी यह कन्फर्म नहीं है।

कर्नाटक सरकार ने आरसीबी टीम का सम्मान किया

टीम जब एयरपोर्ट पहुंची तब वहां हजारों फैंस मौजूद थे। विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सभी प्लेयर्स का सम्मान किया। इसके बाद चिन्ना स्वामी स्टेडियम में भी कार्यक्रम हुए। आरसीबी ने एक दिन पहले मंगलवार को आईपीएल में अपना पहला टाइटल जीता था। टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में आईपीएल को 8वां चैंपियन मिला।

पीड़ितों की जितनी मदद हो सकेगी, करेंगे- बीसीसीआई वाइस प्रेसिडेंट

बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा- यह अचानक हुआ हादसा है और सभी लोग दुखी हैं। मृतकों और घायलों की जितनी मदद हो सकती है, हम करेंगे। हम कर्नाटक सरकार से भी बात कर रहे हैं।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

रिजिजू बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि यह सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा।

किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार नियमों के तहत सत्र में किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार हैं। साथ ही बताया कि सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश हो सकता है। सरकार ने मानसूत्र सत्र का ऐलान विपक्ष के स्पेशल सेशन की मांग के बीच की है। विपक्ष पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और CDS अनिल चौहान के भारतीय जेट गिरने पर सिंगापुर में दिए बयान पर चर्चा की मांग कर रहा है।

पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को तैयार: रिजिजू

रिजिजू ने कहा- सरकार का कहना है कि संसद के आगामी मानसून सत्र के दौरान विपक्ष अगर नियमों के तहत चर्चा की मांग करता है, तो हम पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आगामी सत्र के दौरान सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की भी तैयारी में हैं।

वर्मा के महाअभियोग प्रस्ताव पर सभी को एकजुट रहना जरूरी

दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाअभियोग प्रस्ताव पर किरेन रिजिजू ने कहा, जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाअभियोग न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है। इसमें किसी भी तरह की राजनीति की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा था कि मैं सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बना रहा हूं।

पंजाब का एक और यूट्यूबर जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। जसबीर सिंह रूपनगर के महलां गांव

का रहने वाला है और उसके यूट्यूब चैनल 'जान महल' पर 10 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। वह 3 बार पाकिस्तान जा चुका है।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि वह ISI एजेंट शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के संपर्क में था। साथ ही हरियाणा से गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी उच्चायोग से निष्कासित अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी कॉन्टैक्ट में था।

भाजपा बोली-कांग्रेस के सरेंडर कारनामे कैलेंडर में भरे पड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भी राहुल गांधी में परिपक्वता और गंभीरता नहीं आई है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सरेंडर

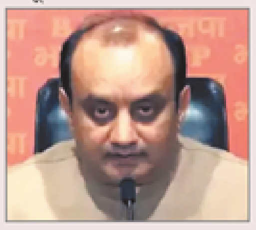

बताना उनकी खतरनाक मानसिकता दिखाता है। राहुल गांधी ने ऐसा बयान दिया है जो पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी नहीं बोला, किसी आतंकी संगठन ने नहीं बोला, मसूर अजहर और हाफिज सईद ने भी नहीं बोला। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा भारत सरकार या भाजपा के किसी प्रवक्ता ने नहीं देश की सेना ने की है। राहुल ने सरेंडर शब्द इस्तेमाल करके सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा था कि ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए।

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला

4302 एक्टिव केस, 44 मौतें

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने

आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है।

वैन पर पलटा सीमेंट से भरा ट्रॉला, 9 की मौत

एमपी के झाबुआ में शादी समारोह से लौट रहे थे दो परिवार, मृतकों में 4 बच्चे

आलीराजपुर/झाबुआ (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के झाबुआ में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात सीमेंट से भरा ट्रॉले ने पहले ईको वैन को टक्कर मारी, फिर घसीटते हुए ले गया और वैन पर पलट गया। वैन सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं। हादसा भावपुरा गांव के पास कल्याणपुरा में हुआ। इनमें 4 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया है।

मृतकों में मुकेश खपेड़ (40), उनकी पत्नी सावली (35), बेटा विनोद (16), बेटी पायल (12), मढ़ी बमनिया (38), विजय बामनीय (14), कांता बमनिया (14), रागिनी बमनिया (9) और अकली परमार (35) शामिल हैं। हादसे में पायल परमार (19) और

5 वर्षीय आशु बमनिया घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिवगढ़ महुड़ा के रहने वाले थे। थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। घायलों और मृतकों को थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया।

झाबुआ के एसपी पदम विलोचन शुक्ला ने बताया, मेघनगर के पास सीमेंट से भरा ट्रॉला पलटकर ईको वैन पर गिर गया।

काफी स्पीड में था ट्रॉला

जानकारी के अनुसार, सजेली रेलवे फाटक के ऊपर ओवर ब्रिज का निर्माण चल रहा है। इसके पास हादसा हुआ। सामने से आ रहा ट्रॉला काफी स्पीड में था। ईको वैन मेघनगर की ओर से आ रही थी। तभी ट्रॉला वैन को घसीटते हुए कुछ दूरी पर ले गया। एक गड्ढे में वैन पलट गई और उसके ऊपर ट्रॉला गिर गया। जिसमें सभी लोग दब गए। जेसीबी मशीन और कटर से वैन को काटकर शवों और घायलों को बाहर निकाला गया।

कांग्रेस नेता का पूर्व-पीए वॉट्सएप पर पाकिस्तान भेजता था लोकेशन

- 15 साल में 7 बार पाक गया, 60 दिन रहा; आईएसआई के संपर्क में भी था

जयपुर (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार सरकारी कर्मचारी शकूर खान 15 साल में 7 बार पाक गया था। वहां वह 60 दिन से अधिक रह चुका है। जैसलमेर के

जिला रोजगार कार्यालय में असिस्टेंट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (एएओ) शकूर ने राजस्थान इंटेलिजेंस के सामने कई खुलासे किए हैं। शकूर खान के खुलासों की पुष्टि उसके मोबाइल से भी हो चुकी है। शकूर के पास पाकिस्तान एम्बेसी के कई अधिकारियों के नंबर और वॉट्सएप चैट मिले हैं। शकूर आईएसआई के कई लोगों के साथ लगातार चैट कर रहा था। कुछ वॉट्सएप मैसेज में लोकेशन और नाम तक भेजे हुए हैं। शकूर 10 जून तक जांच एजेंसी की रिमांड पर है। इसमें राजस्थान इंटेलिजेंस कई सवालों के जवाब जानने के लिए पूछताछ करेगी।

हिमाचल में बर्फबारी, पहाड़ों पर बढ़ी ठंड

3 जिलों में भारी बारिश हुई: टूरिस्ट को गर्म कपड़े लाने की एडवाइजरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिला की अधिक ऊंची चोटियों पर सुबह ताजा हिमपात हुआ। आमतौर पर जून में बर्फ नहीं गिरती। मगर इस बार जून में भी बर्फबारी हो रही है। आज सुबह के वक्त लाहौल स्पीति के लांगचा गांव में बर्फ के फाहे गिरे। घाटी में इससे मौसम ठंड हो गया है। वहीं आज 6 जिलों में भारी बारिश और तूफान का ऑरेंज अलर्ट है।

मौसम विज्ञानी संदीप शर्मा ने बताया कि विभाग के पास बर्फबारी का रिकॉर्ड केवल उन स्टेशन का रहता है, जहां उनके वेदर स्टेशन हैं। जिस जगह आज सुबह बर्फ गिरने की सूचना है, वहां पर विभाग का वेदर स्टेशन नहीं है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि जून में पहली बार बर्फ गिरी है। मगर उन्होंने माना कि जून में बर्फ गिरना सामान्य नहीं है।

ऊंचे पहाड़ों पर लौटी ठंड

बारिश-बर्फबारी के बाद अधिक ऊंचे क्षेत्रों में ठंड लौट आई है। शिमला का न्यूनतम तापमान सामान्य से 7.2 डिग्री नीचे गिरने के बाद 9.2 डिग्री सेल्सियस रह गया है। अन्य शहरों का तापमान भी सामान्य से नीचे गिरा है।

3 जिलों में हुई भारी बारिश

वहीं बीती रात में शिमला, मंडी और बिलासपुर जिला के कई क्षेत्रों में भारी बारिश और तेज तूफान भी चला। मंडी जिला के करसोग में सबसे ज्यादा 64.1 मिलीमीटर बारिश हुई। कुफरी में 45.0 मिलीमीटर, शिमला में 40.2 मिलीमीटर, बिलासपुर के घाघस में 37.0 और नयना देवी में 34.6 मिलीमीटर बारिश हुई।

राहुल गांधी की कांग्रेसी नेताओं को दो-टूक

गुटबाजी से नुकसान सहन नहीं, संगठन में सिफारिश नहीं चलेगी, 30 से पहले जिला अध्यक्ष बनेंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को (4 जून) हरियाणा दौरे पर रहे। उन्होंने करीब 3 घंटे तक चंडीगढ़ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में 'संगठन सृजन कार्यक्रम' के तहत राज्य के नेताओं और ऑब्जर्वरों की मीटिंग ली।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने बैठक में नेताओं को दो-टूक में कहा कि संगठन बनाने में किसी नेता की सिफारिश नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि गुटबाजी से पार्टी को नुकसान सहन नहीं होगा। उधर, प्रदेश प्रभारी बीके हरि प्रसाद ने कहा 30 जून से पहले जिला अध्यक्ष बना लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि काम के बीच गुटबाजी नहीं आनी चाहिए। ऐसा होता है तो ऐक्शन लिया जाएगा।

30 जून से पहले जिला अध्यक्ष बनाएंगे- प्रदेश प्रभारी बीके हरि प्रसाद ने मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस ने कहा कि गुजरात से संगठन सृजन अभियान शुरू हुआ है।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय

देश की बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत लगातार बिगड़ रही है, तो आखिर इसकी वजह क्या है। प्रति वर्ष बजट में स्वास्थ्य के लिए जो राशि तय होती है, वह इतनी नहीं जिससे सभी नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। सच्चाई यही है कि गंभीर बीमारी का इलाज कराने के क्रम में आम आदमी की सारी जमा-पूंजी खत्म हो जाती है। इसी वजह से कई परिवार तो गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह दुखद ही है कि आजादी के बाद से अब तक हम शहरों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत ढांचा नहीं बना पाए हैं।

आज भी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसका नतीजा अंतत: मरीजों को भुगतना पड़ता है। बीते दिनों बलिया में मोबाइल फोन की रोशनी में चार महिलाओं का प्रसव कराया गया। यह सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली की एक और बानगी है।
कई अस्पतालों में जेनरेटर और डीजल के अभाव का बहाना बनाया जाता है, लेकिन वहां इसकी सुविधा उपलब्ध होने पर भी यह नौबत क्यों आई, यह जांच का विषय है। इसी जिले में पिछले दिनों जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था उजागर हुई। हकीकत है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली आज भी कायम है।

आबादी के लिहाज से सरकारी अस्पतालों की संख्या काफी कम है। गांवों के मरीज उपचार के लिए शहरों की तरफ भागते हैं, जहां निजी अस्पतालों में अपनी थोड़ी बहुत बचत भी गंवा बैठते हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि सेहत की देखभाल पर आम आदमी का खर्च कम क्यों नहीं हो रहा? यह सरकार के लिए भी एक चुनौती है। फिलहाल इस पर जोर देने की जरूरत है कि मरीजों का सुरक्षित उपचार हो और वे स्वस्थ होकर अपने घर लौटें।
बलिया की घटना से पहले भी टार्च की रोशनी में इलाज और आपरेशन किए जाने की खबरें आती रही हैं। उपचार में देरी और गलत निदान की वजह से मरीजों की मौत हो जाती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। मसला अब बुनियादी सुविधाओं का भी है। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और बदहाली पर सवाल उठते हैं, तो यह गलत नही हैं।

जातिगत जनगणना के पीछे क्या है सियासी गणित? जो कांग्रेस के एजेंडे में था, अचानक BJP क्यों हुई तैयार

जातिगत जनगणना की मांग दशकों से चली आ रही है, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे हमेशा टालने की कोशिश की। अब अचानक मोदी सरकार ने इस पर सहमति दी है। 2025 की जनगणना में जातियों की गिनती की जाएगी। यह सिर्फ आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ा बड़ा फैसला है। सवाल उठता है: बीजेपी, जो इस मांग का विरोध करती आई है, आखिर अब क्यों तैयार हुई?

सियासी पृष्ठभूमि और कांग्रेस का एजेंडा

कांग्रेस की पहल:
राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को "OBC न्याय" का मुद्दा बनाया। उन्होंने संसद और चुनावी रैलियों में इसे प्रमुखता दी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इसे अपने घोषणापत्र में शामिल कर वादा किया था कि सत्ता में आते ही जातिगत जनगणना कराएंगे।

OBC वोटबैंक की लड़ाई:
आजादी के बाद OBC वर्ग लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहा, लेकिन 2014 के बाद यह वोट बैंक BJP की ओर झुका। कांग्रेस अब इस वोट बैंक को फिर से अपने साथ जोड़ने की कोशिश में है।

'जनगणना नहीं, सत्ता की गिनती' का नारा:
राहुल गांधी बार-बार कहते रहे कि देश की 73% आबादी OBC, SC, ST है, लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी बेहद कम है। जाति आधारित जनगणना के जरिए वे सत्ता में 'हिस्सेदारी' का सवाल उठा रहे हैं।

30 अप्रैल 2025 को राजनीतिक विषयों की कैबिनेट कमेटी ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि जातियों की गणना अब आने वाली मूल जनगणना में ही शामिल होगी। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। इसके अलावा इस कमेटी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी इसमें शामिल हैं।

देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

बिहार में अक्टूबर-नवंबर में चुनाव हैं, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार सिंतबर में ही जनगणना की शुरुआत कर सकती है। इसे पूरा होने में कम से कम 1 साल लगेगा, इसलिए जातिगत जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक आ सकते हैं।

जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा- हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है।

पूरे देश में जनगणना के लिए सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होती है, इन्हें एन्यूमेरेटर कहते हैं। ये तय किए गए इलाकों में पहुंचकर तमाम जानकारियां जुटाते हैं। जनगणना दो हिस्सों में होती है-

हाउस लिस्टिंग और हाउस सेंसस: 1 से दो महीने के समय में सभी कच्चे-पक्के घरों की गिनती, बिजली, पेयजल, शौचालय, प्रॉपर्टी जैसे सवाल पूछे जाते हैं। अप्रैल-मई 2010 में इसमें 45 दिन का समय लगा था।

पापुलेशन काउंटिंग: इसमें करीब 1 महीने का समय लगता है। इसमें लोगों की उम्र, लिंग, परिवार, जन्म की तारीख, वैवाहिक स्थिति, पता, रोजगार, धर्म और SC/ST हैं तो उसकी डिटेल्स पूछी जाती हैं।

जनगणना का रिकॉर्ड बताता है कि हर बार पूछे जाने वाले सवालों की संख्या बढ़ जाती है। मसलन, 2001 की तुलना में 2011 की जनगणना में कई एक्स्ट्रा सवाल पूछे गए। जैसे- जहां आप नौकरी करते हैं वो जगह आपके घर से कितनी दूर है। गांव का नाम भी पहली बार पूछा गया था।

आखिर में इस डेटा को इकठ्ठा करके इसे नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना का विस्तृत डेटा गोपनीय रखा जाता है।

2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल SC और ST कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।

पॉलिटिकल एनालिस्ट रशीद किदवई कहते हैं कि मुसलमानों में भी कई पिछड़ी जातियां हैं। उनकी भी गिनती की जाएगी। मुख्य समस्या जनगणना के बाद शुरू होगी, जब इसे लेकर योजनाएं और रिजर्वेशन लागू करने की मांग होगी। मुसलमानों के अलावा महिलाओं या किसी भी अन्य जाति वर्ग को लेकर भी नए सिरे से एक बहस छिड़ेगी।

साल 1881 में अंग्रेजों ने पहली बार जनगणना करवाई थी। इसमें जातियों की भी गिनती होती थी। 1931 तक ऐसा ही चलता रहा। तब पूर्ण जातिगत जनगणना हुई थी। 1941 में जातिगत जनगणना तो हुई, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए।

इसके बाद आजाद भारत की पहली कैबिनेट में शामिल नेहरू, पटेल और आंबेडकर जैसे नेताओं ने तय किया कि जातिगत जनगणना नहीं करवाई जाएगी, क्योंकि इससे समाज में बंटवारा होगा।

आजादी के बाद 1951 में पहली जनगणना हुई, इसमें सभी जातियों के बजाय सिर्फ अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) की गिनती हुई। यानी SC और ST का डेटा दिया गया लेकिन OBC और दूसरी जातियों का डेटा नहीं दिया गया।

तब से ऐसा ही चला आ रहा है। हर दस साल में होने वाली जनगणना में SC और ST के अलावा दूसरी किसी भी जाति का डेटा नहीं दिया जाता है।

1951 से 2011 तक हर 10 साल पर जनगणना होती रही है। इसके पीछे संवैधानिक कारण हैं। दरअसल, संविधान की धारा 330 और 332 में यह प्रावधान है कि SC और ST समुदायों की जनसंख्या के आधार पर उनके लिए लोकसभा और राज्यसभा में सीटें रिजर्व की जाएं।

बिना सही जनसंख्या का पता लगाए उस अनुपात में सीटें रिजर्व करना संभव नहीं है, इसीलिए हर 10 साल में होने वाली जनगणना के साथ ही SC और ST के आंकड़े भी जारी किए जाते हैं। 2021 में जनगणना हुई नहीं है, इसलिए अभी SC और ST सीटों का रिजर्वेशन 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाता है।

समय-समय पर पिछड़ी जातियों के रिजर्वेशन के लिए सभी जातियों की जनगणना की भी मांग की जाती रही है, लेकिन इसके लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

हालांकि, इस साल बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में जातिगत सर्वे कराए गए हैं। 2023 में बिहार सरकार ने इसके आंकड़े भी जारी किए थे।

बिहार ने 2 अक्टूबर, 2023 को जातिगत जनगणना (सर्वे) के आंकड़े जारी किए थे। ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना था। जातिगत जनगणना और जातिगत सर्वे में तीन बड़े फर्क हैं-

1. जातिगत जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र को
राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना करवाना केंद्र सरकार का अधिकार है। 1948 के जनगणना एक्ट के तहत केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय जनगणना से जुड़े नियम बनाने, जनगणना के लिए कर्मचारी नियुक्त करने और लोगों से डेटा इकठ्ठा करने का काम कर सकता है।

संविधान के आर्टिकल 246 के तहत जनगणना संघ सूची का विषय है। इस सूची में डिफेंस, विदेशी मामले, जनगणना और रेलवे जैसे 100 मुद्दे हैं, जिन पर सिर्फ संसद कानून बना सकती है। राज्य सरकारें अपने राज्य में सामाजिक और आर्थिक मामलों से जुड़ी योजनाएं बनाने के लिए सर्वे करवा सकती हैं। 2008 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत उन्हें इसका अधिकार है।

किसी सर्वेक्षण के लिए राज्य सरकार कोई कमेटी या आयोग भी बना सकती है। इसी अधिकार के तहत उत्तराखंड ने यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए कमेटी बनाई और सर्वे करके आंकड़े जुटाए थे।

सैम्पल साइज और डेटा में फर्क
जनगणना पूरे देश में चलने वाली एक लंबी प्रोसेस है। इसमें एक तय समय के दौरान पूरे देश के लोगों को शामिल किया जाता है, जबकि जातिगत सर्वे का सैम्पल साइज छोटा होता है।

जनगणना में कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जबकि जातिगत सर्वे में सिर्फ समुदाय, जाति और उपजाति से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। बिहार में हुई जनगणना में सिर्फ 15 सवाल पूछे गए थे।

जनगणना संवैधानिक मुद्दा, जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की मर्जी
जनगणना करवाने को लेकर संविधान में प्रावधान हैं। वहीं जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की अपनी मर्जी से कराए जाते हैं। इसके पीछे अक्सर राजनीतिक मंशा होती है। जबकि तर्क ये दिया जाता है कि इससे योजनाएं और आरक्षण तय करने में मदद मिलेगी।

सारा संसार

भगवान श्री कृष्ण की प्रेममय लीलास्थली के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए वृंदावन में एक भव्य मंदिर लीलाधाम की स्थापना की गई। 221 फीट ऊंचे, सफेद पत्थरों वाले मंदिर में नौ मंजिला मंदिर की स्थापना सन 1969 में श्रीमद लीलानंद ठाकुर जी (पागलबाबा) द्वारा की गई।

कुदरत
डॉ कविता सिंधू खरीटा

परिंदों की चहचहाहटः आशा की एक विलक्षण भाषा

हर सुबह जब हम अखबार खोलते हैं या टीवी ऑन करते हैं, तो हमारे सामने युद्ध, राजनीति, और समाज की गहरी चिंताओं से जुड़ी खबरें होती हैं। सड़कों पर चलते चेहरे थकान, चिंता और निराशा से भरे होते हैं, लेकिन इसी दुनिया में, इसी समय में, कुछ ऐसा भी है जो हमें इन सबसे ऊपर उठने की शक्ति देता है वो हैं चहचहाते परिंदे। मैंने यह महसूस किया है कि दिन की शुरुआत अगर इन परिंदों को देखकर हो, तो जीवन के कठोर यथार्थ के बीच भी एक मधुर संगीत सुनाई देता है, जो हमें सुकून देता है। कमरे की खिड़की पर बैठा एक छोटा सा परिंदा जब अपने नन्हे पंख फड़फड़ाता है या खुले लॉन में उड़ता है, तो लगता है जैसे प्रकृति हमें अब भी प्रेम और मासूमियत का संदेश दे रही है। इन परिंदों की मौजूदगी हमें याद दिलाती है कि इस जटिल और बेरहम समय में भी अगर हमारे पास देखने के लिए दो भोली आंखें और महसूस करने के लिए एक धड़कता दिल है, तो पृथ्वी पर अभी भी प्रेम, उल्लास और करुणा मौजूद हैं। यह दृश्य महज एक प्राकृतिक सौंदर्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का प्रतीक है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने भीतर की आशा, विश्वास और करुणा को जीवित रखें क्योंकि करुणा ही हमें सभी जीवों के प्रति आत्मीयता का भाव रखने की प्रेरणा देती है। जब हम परिंदों को देखते हैं, हम मानो खुद से, और इस दुनिया की सुंदरता से फिर से जुड़ जाते हैं। परिंदों की चहचहाहट केवल ध्वनि नहीं, वह एक मौन संवाद है, जो हमें कहता है कि जीवन अभी समाप्त नहीं हुआ है, कि हर अंधेरे के बाद एक सुबह होती है, और हर सर्दी के बाद बसंत लौटता है। जब ये परिंदे सुबह के शांत आकाश में उड़ते हैं, तो लगता है मानो वे जीवन के गीत गा रहे हों, गीत जो संघर्ष के बावजूद उम्मीदों से भरे हैं। इन नन्हें पंखों में जो उड़ान है, वह केवल आकाश में ऊँचाई को नापने की नहीं, बल्कि हमारे मन में जमी उदासी की परतों को हटाने की है। वे हमें याद दिलाते हैं कि अगर हम चाहे तो हर दिन एक नई शुरुआत हो सकती है एक नई सोच, एक नई ऊर्जा, एक नया विश्वास। आखिरकार, परिंदों की चहचहाहट एक अनकही कविता है प्रकृति द्वारा रची गई, हर दिल को छू लेने वाली, हर आत्मा को जगा देने वाली। यह आशा की वह भाषा है जिसे न तो किसी अनुवाद की आवश्यकता है और न ही किसी औपचारिकता की। यह सीधा दिल से दिल तक पहुंचती है। तो अगली बार जब आप किसी परिंदे को चहचहाते सुनें या उड़ते हुए देखें, तो बस एक पल रुक जाइए और भीतर तक गहराई से महसूस कीजिए कि आप भी उसी आशा का ही एक हिस्सा हैं, जो हर सुबह हमारे आसमान में पंख फैलाकर उड़ान भरती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

सजगता से दूर होती है चिंता

संकलित
दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढ़ते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

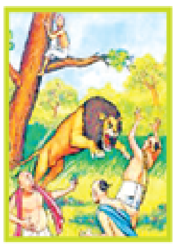

संकलित
प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहाः मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहाः मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूँ। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोलाः मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूँ। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोकाः यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

अंतर्मन

आज की पाती

प्राइवेट सिस्टम : आम आदमी की जेब पर हमला

भारत एक ऐसा देश है जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस, हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। - चंद्रकांत पांडे, रायगढ़

करंट अफेयर

संरा महासभा ने जर्मनी की बेयरबॉक को अध्यक्ष चुना

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुप्त मतदान की रूस की मांग के बीच जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 193 सदस्यीय विश्व निकाय का अगला प्रमुख चुना। बेयरबॉक को 167 वोट मिले जो कि जीत के लिए आवश्यक 88 वोटों से लगभग दोगुने हैं जबकि उच्च पदस्थ जर्मन राजनयिक हेल्गा शिमड को लिखित रूप मे सात वोट मिले वहीं 14 देशों ने मतदान मे भाग नही लिया। जर्मनी ने महासभा के अध्यक्ष पद के लिए शिमड को नामित किया था, लेकिन हाल में हुए चुनाव में देश के विदेश मामलों के प्रमुख के पद से बैरबॉक की हार के बाद उन्हें ही नामित किया। इस निर्णय की जर्मनी मे आलोचना भी की गई थी। जब 15 मई को बेयरबॉक अपनी उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए महासभा के समक्ष उपस्थित हुईं तो संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलियांस्की ने उन पर हमला बोलते हुए कहा था, ''सुश्री बेयरबॉक ने बार-बार अपनी अक्षमता, अत्यधिक पूर्वाग्रह और कूटनीति के बुनियादी सिद्धांतों की समझ नहीं होना साबित किया है।'' पोलियांस्की ने उन पर ''रूस विरोधी नीति'' अपनाने का आरोप लगाया साथ ही इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि वह महासभा की अध्यक्ष के रूप में ''शांति और वार्ता के हित में कार्य करने में सक्षम होंगी।''

ऑफ बीट

क्या एआई एक संज्ञानात्मक क्रांति को जन्म दे रही है?

कृत्रिम मेधा (एआई) की शुरुआत मानव मस्तिष्क का अनुकरण करने की खोज के रूप मे हुई थी। लेकिन अब यह हमारे दैनिक जीवन मे मानव मस्तिष्क की भूमिका को बदलने की प्रक्रिया में है? औद्योगिक क्रांति ने शारीरिक श्रम की आवश्यकता को कम कर दिया था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एआई के अनुप्रयोग पर शोध करने वाले व्यक्ति के रूप में मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सका कि क्या एआई ज्ञान संबंधी क्रांति को बढ़ावा दे रही है या फिर ज्ञान संबंधी प्रक्रियाओं की आवश्यकता को समाप्त कर रही है क्योंकि एआई विद्यार्थियों, श्रमिकों और कलाकारों के लेखन, डिजाइन और निर्णय लेने के तरीके को नया आकार देती है। ग्राफिक डिजाइनर अपने ग्राहकों को अपने काम का नमूना दिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। बाजार में मौजूद कंपनियां एआई निर्मित प्रोफाइल बनाकर इस बात की तसदीक करती हैं कि उनके विज्ञापन किस तरह काम करेंगे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर एआई कोडिंग सहायकों से काम कराते हैं। छात्र रिकॉर्ड समय मे निबंध की तैयारी के लिए एआई का उपयोग करते हैं और शिक्षक प्रतिक्रिया देने के लिए इसी तरह के टूल का उपयोग करते हैं। आर्थिक और सांस्कृतिक निहितार्थ हैं ज्यादा क्या होगा, जब लेखक को सही वाक्य लिखने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

ट्रेंड

रचनात्मक भूमिका को तैयार

अन्नालेना बारबॉक को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप मे चुने जाने पर बधाई। महासभा की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारत आपके नेतृत्व मे साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।
-एस जयशंकर, विदेश मंत्री

बिना शर्त रिहाई का आह्वान

जून मे यमन मे हूथी अधिकारियों द्वारा राजनयिक मिशनों के दर्जनों कर्मियों को मनमाने ढंग से हिरासत मे लिए जाने की घटना को एक साल हो गया है। मै उनकी तत्काल और बिना शर्त रिहाई के लिए अपना आह्वान दोहराता हूं।
-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बीजेपी सिर्फ़ चुनाव लड़ेगी

भारतीय सेना पाकिस्तान से लड़ेगी। भारतीय सेना चीन से लड़ेगी। जनता अशिक्षा से लड़ेगी। बेरोजगारी से लड़ेगी। महंगाई से लड़ेगी। करोना से लड़ेगी। बीजेपी सिर्फ़ चुनाव लड़ेगी।
-संजय सिंह, आप नेता

रोगियों के लिए अच्छी खबर

बिकारा ने सिर, गर्दन के कैंसर मे फिक्लेराफुस्प अल्फा कीट्डा के लिए उत्तरजीविता डेटा प्रस्तुत किया: 21.3 महीने - 2 साल बाद गहरी और टिकाऊ प्रतिक्रिया अंतिम चरण के एचएनएससीसी रोगियों के लिए बहुत अच्छी खबर है।
-किरण मजूमदार-शॉ, उद्योगपति

रॉयल पत्रिका

‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का होगा निर्माण - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सबसे अधिक आवश्यकता पानी की है। इसलिए हमारी सरकार ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, माही बांध एवं देवास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में कर्म भूमि से मातृ भूमि अभियान के जरिये जल संरक्षण का काम किया जा रहा है। वहीं, हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ वर्ष में प्रदेश में जल उपलब्धता और जल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के अवसर पर बूंदी के केशोरायपाटन में ‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण-जन अभियान के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत आमजन की सहभागिता से तालाब, पोखर, सरोवर व बांध में जल संचय का कार्य प्रारंभ किया गया है। इससे भूजल स्तर में वृद्धि के साथ ही आमजन को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने चर्मण्यवती नदी की पूजा कर चुनरी अर्पित की-

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के लिए पानी की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का विशेष महत्व है। हमारे यहां वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है। उन्होंने ‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत केशव घाट पर विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ चम्बल मां (चर्मण्यवती नदी) की पूजा की। उन्होंने चुनरी महोत्सव में भी शिरकत की। मुख्यमंत्री द्वारा अर्पित की गई चुनरी को नाव और बोट्स के माध्यम से चम्बल नदी पर केशव घाट से रंगपुर घाट तक ले जाया गया। इससे पहले शर्मा ने श्री केशवराय मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर के पुजारियों ने उन्हें ‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण-जन अभियान की पहल के लिए अभिनन्दन पत्र दिया।

चम्बल पेयजल व सिंचाई का प्रमुख स्रोत-

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्बल राजस्थान के लिए केवल एक नदी ही नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के लिए पेयजल एवं सिंचाई का भी प्रमुख स्रोत है। इस पर बने बांधों से बिजली का उत्पादन भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि चम्बल के पानी से कोटा, बारां एवं बूंदी में 2 लाख 29 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। इसके बेसिन में 7 हजार 355 करोड़ रूपये की लागत से परवन वृहद् सिंचाई परियोजना का कार्य कराया जा रहा है, जिससे कोटा, बारां एवं झालावाड़ जिलों में 2 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचित क्षेत्र सृजित होगा।

गांव और शहर तक पहुंचे जल संरक्षण का संदेश-

शर्मा ने कहा कि ‘वंदे गंगा’ जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, जल स्रोतों की साफ-सफाई के कार्य किए जाएंगे और परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल किया जाएगा। यह अभियान आगामी 20 जून तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि हर गांव, हर शहर और हर व्यक्ति तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचे और राजस्थान पूरे देश में जल संरक्षण के प्रयासों की एक मिसाल बने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से 17 जिलों की जल आवश्यकता पूरी होगी साथ ही, 4 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई भी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि रामगढ़ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी बीसलपुर और इसरदा बांधों में लाया जा सकेगा। वहीं, शेखावाटी क्षेत्र को भी यमुना का जल मिलेगा।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जयपुर महानगर-प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम तथा श्रीमती पल्लवी शर्मा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-द्वितीय ने शिविर में उपस्थित विधि विद्यार्थीगण को पर्यावरण दिवस के अवसर पर भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए पानी बचाने, व्यर्थ पानी न बहाने तथा अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही पवन कुमार जीनवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला द्वारा यह बताया गया कि प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह वन, झील, नदियां तथा वन्य जीव सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा व सुरक्षा करें।

सचिव पवन कुमार जीनवाल द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नागरिकों को जल संवर्द्धन व संरक्षण को लेकर प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जावेगा। इसी कड़ी में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर ने महिलाओं को सशक्त बनाये जाने, बालिकाओं को आगे बढ़ाये जाने व उनके प्रति होने वाले अपराधों की दर में कमी लाने तथा पर्यावरण को संरक्षित करने और पोषित किये जाने की दिशा में कार्य करते हुए बुधवार को जिला राजसमंद में ग्राम पंचायत पीपलांत्री में राज्य स्तरीय आयोजन में नवीन योजना “सृजन की सुरक्षा” जारी की है। जिसके तहत प्रदेश के समस्त जिलों में एक-एक ग्राम पंचायत का चयन कर उनमें वर्ष 2025 में योजना के क्रियान्वयन की तिथि तक जन्म लेने वाली प्रत्येक बच्ची के परिवार के द्वारा 11 पौधे लगाये जाने के कार्यक्रम से प्रारम्भ किया जाना है। इसके साथ ही जीनवाल द्वारा बच्चों से प्लास्टिक से बने उत्पादों को उपयोग नहीं करने की भी अपील की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस - कलर्स ऑफ चेंज कार्यशाला में अधिकारियों ने बनाए वेस्ट से क्राफ्ट आइटम

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सिटीज 2.0 के तहत एक कार्यशाला कलर्स ऑफ चेंज आयोजित की गई। इस कार्यशाला में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारी और कर्मचारियों को वेस्ट सामग्री से रिसाइकिल कर आर्ट एंड क्राफ्ट आइटम बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें हेरिटेज निगम की ब्रांड एम्बेसडर कर्णिका बाई ने सभी अधिकारियों, कर्मियों और बच्चों को क्राफ्ट आइटम बनाने का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान कार्यशाला में प्लास्टिक बोतल, पेपर, कांच बोटल, लकड़ी के पार्ट्स आदि का पुनरुपयोग किया गया। स्मार्ट सिटी की पर्यावरण एक्सपर्ट नूतन गुप्ता और पीईओ राघव गुप्ता ने सभी को वेस्ट टू आर्ट एंड क्राफ्ट की ओर जाने का संदेश दिए। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक या अन्य वेस्टेज सामग्री को रिसाइकिल करने से हमारा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, साथ ही इनसे हम बहुउपयोगी सामग्री भी बना सकते है। स्मार्ट सिटी के अधीक्षण अभियंता दिनेश चंद्र गोयल ने सभी को गीला और सूखा कचरा अलग अलग डस्टबिन में डालने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान स्मार्ट सिटी अधीक्षण अभियंता अमित गर्ग ने आर्ट एंड क्राफ्ट आइटम बनाने पर बच्चों को पुरस्कृत भी किया। कार्यशाला में स्मार्ट सिटी के अधीक्षण अभियंता दिनेश चंद्र गोयल, अधिशाषी अभियंता आशीष गर्ग, अमित गर्ग, जेईएन सौरभ उपाध्याय, टीम लीडर हरि शर्मा, राजवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने किया पौधरोपण

वहीं, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जयपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार हसीजा ने स्मार्ट सिटी परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरान हसीजा ने छायादार पौधे लगाकर सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से भी संवाद किया। इस दौरान हेरिटेज निगम उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उपायुक्त राजस्व निधि सिंह, अधीक्षण अभियंता दिनेश चंद्र गोयल, अधिशाषी अभियंता आशीष गर्ग और अमित गर्ग ने भी पौधरोपण किया।

वैज्ञानिक कृषि की नवीनतम तकनीक की जानकारी कृषको तक पहुंचाए- राजन विशाल

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल गुरुवार को भीलवाड़ा के मेजा बांध पर गंगा दशहरा व विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में सम्मिलित हुए और जल संरक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आमजन को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने भीलवाडा जिले में हरियालो राजस्थान संकल्प के अंतर्गत लगाए जा रहे 32 लाख पौधों की अच्छे से देखरेख, जियो टैगिंग और प्रत्येक साईट पर प्रभारी लगाये जायेगे के सबंध में निर्देशित किया। शासन सचिव विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक ली तथा भीलवाड़ा किसान सेवा केन्द्र, कस्टम हाइरिंग सेन्टर एवं बारानी कृषि अनुसंधान केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने भीलवाड़ा में धुवांला ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित कृषक गोष्ठी में भी भाग लिया। कृषक गोष्ठी में किसानों को कृषि की नवीनतम तकनीक अपनाने तथा वैज्ञानिकों को शोध कार्यों की नवीनतम तकनीक की जानकारी किसानों तक पहुंचाने हेतु आह्वान किया तथा किसानों को रसायन मुक्त खेती अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन होगा और मानव स्वास्थ्य कें लिए भी लाभप्रद होगी। कृषक गोष्ठी में उन्होंने कृषकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनका संरक्षण करने का आह्वान किया।

शासन सचिव ने कहा कि किसान कस्टम हाइरिंग सेन्टर पर उपलब्ध कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करे। उन्होंने किसान सेवा केन्द्र धुवांला का निरीक्षण कर किसानो के वाट्सअप ग्रुप बनाये जाने व उनमें मण्डी भाव की सूचना देने, मौसम की पूर्वानुमान की जानकारी प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया ताकि कृषक जारी एडवाजरी के अनुसार फसल का बचाव कर सके।

बारानी कृषि अनुसंधान केन्द्र के निरीक्षण दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती के मॉडल को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए ताकि कृषक सजीव प्रदर्शन देखकर प्राकृतिक खेती को अधिक से अधिक अपना सकें। शासन सचिव ने आत्मा सभागार में कृषि अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली व पौध संरक्षण हेतु समय–समय पर कृषकों को विभागीय दिशा निर्देश के अनुसार सलाह देने, फसलों में उत्पादन बढाने और पैकेज ऑफ पेक्टिस को अपनाने पर जोर देने तथा विभाग द्वारा आंवटित लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

शासन सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत आंवटित फसल कटाई प्रयोग का सम्पादन विभागीय अधिकारी पारदर्शिता के साथ करे। कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय के बाहर सोमवार से शुक्रवार तक का भ्रमण कार्यक्रम प्रदर्शित करें।

इस दौरान अतिरिक्त निदेशक कृषि भीलवाड़ा इन्द्र सिंह संचेती, संयुक्त निदेशक उद्यान महेश चेजारा, संयुक्त निदेशक कृषि विनोद कुमार जैन, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सीएम यादव, उपनिदेशक उद्यान शंकर सिंह राठौड़, उपनिदेशक डॉ.लक्ष्मी कंवर राठौड, सहित अनेक कृषि अधिकारी, सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषक मौजूद रहें।

जल और पर्यावरण संरक्षण के समग्र अभियान का हुआ आगाज

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री एवं बांरा जिला प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी ने गुरुवार को बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं एवं वंदे गंगा जल संरक्षण - जन अभियान के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक ली। बैठक में किशनगंज विधायक डॉ. ललित मीणा,जिला प्रभारी सचिव डॉ. जोगा राम, जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने प्रभारी मंत्री को जिले के विभिन्न मुद्दों के बारे में अवगत करवाया।

राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि राज्य सरकार भूजल स्तर बढ़ाने तथा जल संचयन पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी उद्देश्य के लिए राज्य सरकार ने विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगादशमी के अवसर पर ऐतिहासिक एवं भागीरथी वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान शुरू किया है। अभियान में समाज के सभी वर्गों को जोड़कर सर्वस्पर्शी बनाने का प्रयास किया जाएगा । जल संरक्षण की दिशा में यह अभियान निर्णायक एवं क्रांतिकारी साबित होगा।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण को हमारी परम्परा और संस्कृति से जोड़ते हुए वंदे गंगा कलश यात्रा तथा जलाशयों पर पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान में जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी।

उन्होंने कहा कि जन-जन की भागीदारी से ही अभियान जन आंदोलन का रूप ले सकेगा। अभियान जल संरक्षण के माध्यम से राज्य को जल स्वावलम्बी बनाने के लिए चलाया जा रहा है। इससे व्यापक जन को जोड़ने की आवश्यकता है। इस अभियान में समाज के सभी वर्गों को जोड़कर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए जाएंगे।

जिला प्रभारी मंत्री ने जिले में पीडब्ल्यूडी व पीएचईडी के निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति समीक्षा की तथा उद्योग, चिकित्सा , नगर परिषद एवं वन विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों की भी प्रगति समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने जिले में विद्त एवं पेयजल आपूर्ति की समीक्षा करते हुए व्यापक मॉनिटरिंग कर निर्बाध विद्त आपूर्ति एवं शुद्ध व स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री एवं प्रभारी सचिव डॉ. जोगाराम ने भी वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 की राज्य बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की । उन्होंने बजट घोषणाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन और फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

बैठक से पूर्व प्रभारी मंत्री ने मिनी सचिवालय में मीडिया से रूबरू होकर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने अभियान में अधिक से अधिक जन भागीदारी के लिए जन प्रतिनिधियों, राजीविका से जुड़ी महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जल संरक्षण की अपील करवाकर लोगों को जागरूक करने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया, वहीं भारत सरकार और सामाजिक अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जारी नशा मुक्ति अभियान के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

प्राकृतिक जलाशयों की सफाई की, निगम अधिकारियों ने हाथ में झाड़ू लेकर दिया सफाई का संदेश

-महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा, पौधरोपण कर देखभाल की ली शपथ

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण - जन अभियान के तहत नगर निगम हेरिटेज की ओर से प्राकृतिक स्त्रोत पर सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में गलता तीर्थ स्थित जग्गा की बावड़ी और खानीया बावड़ी में निगम अधिकारी और आमजन ने श्रमदान कर सफाई की। इस दौरान स्टांप डीआईजी गोरधन लाल शर्मा, हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र कुमार यादव, उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा सहित क्षेत्रीय जन प्रतिनिधि और निगम अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं, कार्यक्रम में हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। वहीं, परशुराम द्वारे से जलमहल तक कलश यात्रा निकाली गई। हेरिटेज निगम की डे एनयूएलएम की उपायुक्त सीमा चौधरी ने बताया कि कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने कलश धारण किया। साथ ही पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान हेरिटेज निगम आयुक्त अरुण हसीजा ने सभी महिलाओं को पौधों की देखभाल करने की शपथ दिलाई।

जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का हुआ भव्य आगाज

- मंदिर ठिकाना गलता तीर्थ में गंगा पूजन एवं गंगा आरती का हुआ आयोजन

- आमजन एवं जन प्रतिनिधियों ने भी बड़ी संख्या में आयोजन में की भागीदारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अवसर पर राजधानी जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का भव्य आगाज हुआ। जिले के सभी उपखण्डों में कलश यात्रा, जल स्त्रोत पूजन, जागरुकता रैल एवं शपथ सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा जयपुर के गलता तीर्थ के ऋषि गालव कुण्ड मे के नेतृत्व में श्रमदान किया। वही जनाना कुण्ड में गंगा पूजन एवं गंगा आरती भी की जिसमें आम श्रद्धालुओं की भागीदारी पूर्ण रूप से देखी गई। कार्यक्रम में सैंकड़ों जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों सहित आम जन ने अपनी भागिदारी सुनिश्चित की।

जिला परिषद की मुख्यकार्यकारी अधिकारी ने बताया कि 5 जून से 20 जून तक आयोजित हो रहे इस अभियान के अर्न्तगत ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, वन विभाग, जल संसाधन एवं अन्य विभागों के 56.49 करोड़ की लागत के 1778 कार्यो का लोकार्पण किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि पूजनीय गालव ऋषि की इस तपो भूमि को श्रमदान कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर एवं उपयोगी बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा हैं। इस दौरान आयुक्त नगर निगम हेरिटेज अरुण कुमार हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम हैरिटेज सुरेन्द्र यादव, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र देवतवाल, निरीक्षक उत्तम शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समस्त उपखण्डों में भी अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के पहले दिन जयपुर के सभी उपखंडों में पौधारोपण, कलश यात्रा, धार्मिक स्थलों पर धार्मिक कार्यक्रम, पीपल पूजन, जागरूकता रैली, सामूहिक शपथ एवं जल स्त्रोत पूजन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

चौमूं में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली पेंटिंग बनाई, विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने पौधारोपण किया, साथ ही सामूहिक शपथ का आयोजन किया गया। वहीं, माधोराजपुरा में भी स्कूली बच्चों, एनसीसी एवं स्काउट गाइड ने जागरूकता रैली निकाल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान तालाब पूजन का भी आयोजन हुआ।

वहीं, सांगानेर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत भव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रकार तुंगा, बस्सी, किशनगढ़ रेनवाल सहित अन्य स्थानों पर भी अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

- 4 केन्टर सामान जब्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त श्रीमती रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, हल्दीघाटी मार्ग, सेक्टर-3 प्रताप नगर, ई°पी° जवाहर सर्किल से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों से 4 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन, हल्दीघाटी मार्ग, सेक्टर-3 प्रताप नगर, ई°पी° जवाहर सर्किल से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

टूरिस्ट स्पॉट्स / रजनी अरोड़ा

हमारे देश में ऐसे कई गार्डन हैं, जो अपनी नायाब खूबसूरती के लिए मशहूर हैं। इन गार्डंस में जो भी जाता है, वहां की खूबसूरती देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता है। जानो, देश के इन अमेजिंग गार्डंस के बारे में कि ये किन विशेषताओं के कारण मशहूर हैं।

अमेजिंग-अट्रैक्टिव गार्डंस

मुगल गार्डन श्रीनगर

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में स्थित इस गार्डन को 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट जहांगीर ने बनवाया था। संपूर्ण मुगल गार्डन में शालीमार गार्डन, चश्म-ए-शाही,

निशात बाग जैसे कई खूबसूरत गार्डंस हैं। मुगल गार्डन अपने आश्चर्यजनक आर्किटेक्चर, फूलों की क्यारियों और पास बहने वाली डल झील के लिए मशहूर है। मुगल गार्डन में शालीमार बाग सबसे बड़ा और लोकप्रिय गार्डन है। यह फारसी और मुगल शैली में बना एक बेहतरीन पहाड़ी गार्डन है। इसमें 4 सीढ़ीदार लॉन हैं, जिसमें सबसे ऊपरी लॉन केवल मुगल शासकों और उनकी रानियों के लिए बनाया गया था। यहां अलग-अलग डिजाइन के फव्वारे भी बनाए गए हैं, जो गार्डन की खूबसूरती को बढ़ाते हैं। निशात बाग पारंपरिक शैली में बना दूसरा बड़ा मुगल गार्डन है। यह श्रीनगर से 11 किलोमीटर दूर डल झील के पूर्वी हिस्से पर बना हुआ है। इस गार्डन से तुम डल झील की खूबसूरती को भी निहार सकते हो। इस सीढ़ीदार गार्डन के एक तरफ झील और दूसरी तरफ हिमालय की चोटी दिखाई पड़ती है।

बॉटेनिकल गार्डन कोलकाता

कोलकाता के बॉटेनिकल गार्डन की स्थापना 1787 में रोबोट किड द्वारा की गई थी। यह गार्डन 109 हेक्टेयर में फैला हुआ है, जिसकी देख-रेख बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। इस गार्डन की सबसे खास बात यह है कि यहां लोगों को दुनिया का सबसे बड़ा बरगद का पेड़ देखने को मिलता है, जिसकी चौड़ाई 330 मीटर से अधिक है।

रॉक गार्डन चंडीगढ़

यह गार्डन चंडीगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। इसका निर्माण नेक चंद सैनी ने करवाया था, इसीलिए इसे 'नेक चंद सैनी गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। रॉक गार्डन किसी भूल-भुलैया जैसा है। इस गार्डन की खासियत है कि इसे पूरी तरह से शहरी और औद्योगिक कचरे के स्क्रैप, जैसे- टूटे-फूटे कांच, पुरानी चूड़ियां, टाइल्स, क्रॉकरी, मार्बल्स आदि को रिसाइकल करके बनाया गया है। यह गार्डन ईको-टूरिज्म का बेहतरीन उदाहरण है।

बृंदावन गार्डन मैसूर

यह मैसूर से 20 किमी दूर कावेरी नदी में बने कृष्णराज सागर डैम के पास बना है। यह गार्डन इतना बड़ा है कि इसमें 20 लाख से भी ज्यादा लोग एक साथ घूम सकते हैं। इस गार्डन को कश्मीर के शालीमार गार्डन की तरह मुगल स्टाइल और आधुनिक बागवानी तकनीक के तालमेल से बनाया गया है। यह अपने आइसोमीट्रिक डिजाइन, सीढ़ीदार बगीचों और लाइट से जगमगाते म्यूजिकल फव्वारों की खूबसूरती के लिए मशहूर है, जो रात में एक जादुई माहौल बनाते हैं।

बॉटेनिकल गार्डन ऊटी

यह भारत के सबसे बड़े बॉटेनिकल गार्डन में से एक है। 1848 में बनाया गया यह बॉटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मिलती हैं। यहां 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म संजो कर रखा गया है। इस गार्डन में 2000 से भी अधिक विदेशी प्रजाति के पेड़-पौधे हैं। गार्डन में बनी छतरीनुमा बैठने की जगह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, जो उन्हें कुछ पल वहां रुकने के लिए मजबूर कर देती हैं। हर साल मई के महीने में यहां समर फेस्टिवल मनाया जाता है। इस गार्डन का खास आकर्षण फ्लॉवर शो है। इस गार्डन की देख-रेख तमिलनाडु सरकार का हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट करता है।

हैंगिंग गार्डन मुंबई

यह गार्डन मालाबार हिल के पश्चिमी छोर पर कमला नेहरू पार्क के बगल में स्थित एक टेरेस गार्डन है। इसका निर्माण साल 1881 में उल्हास घाटकोपर द्वारा करवाया गया था। आज यह मुंबई के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इसे 'फिरोजशाह मेहता गार्डन' के नाम से भी जाना जाता है। इस गार्डन का प्रमुख आकर्षण 'ओल्ड

लेडी शू' है। शाम के समय इस पार्क में अरब सागर पर सूर्यास्त का नजारा देखते ही बनता है, जिसे देखने के लिए यहां पर्यटकों का तांता-सा लगा रहता है। *

एस्टिवेशन के जरिए अपने आपको भीषण गर्मी से बचाते हैं कुछ जंतु

बच्चो, कई जंतु गर्मी के मौसम में अपने आपको बहुत शिथिल और निष्क्रिय कर लेते हैं। ऐसा करके वे प्रतिकूल मौसम में अपने आपको बचाते हैं। इस प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं। जानो, क्या है एस्टिवेशन और इससे इन जंतुओं को क्या लाभ मिलता है?

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, गर्मी के मौसम में अगर तुम कभी जू गए हो, तो तुमने घड़ियाल को दलदल-कीचड़ में, जलाशय के पास मुंह फाड़े आलस्य की अवस्था में पड़े देखा होगा। काफी देर तक उसके शरीर में कोई हलचल नहीं होती। घड़ियाल को इस अवस्था में देखकर यह संदेह होता है कि कहीं वह मर तो नहीं गया? या फिर यह पत्थर की बनी घड़ियाल की आकृति तो नहीं है? दरअसल, गर्मी के मौसम में घड़ियाल एस्टिवेशन की प्रक्रिया से गुजर रहा होता है।

क्या है एस्टिवेशन: गर्मी के महीनों में बहुत-से जंतु अपनी शारीरिक गतिविधि धीमी या बंद कर

देते हैं। इस दौरान वे बिल्कुल शिथिल होकर किसी छायादार, जलमग्न या ठंडी जगह पर पड़े रहते हैं या सोए रहते हैं। ऐसा वे खुद को रिलैक्स करने और ऊर्जा बचाने के लिए करते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को एस्टिवेशन या ग्रीष्म निष्क्रियता कहते हैं।

क्यों करते हैं एस्टिवेशन: कुछ जंतु एस्टिवेशन इसलिए करते हैं ताकि भयंकर गर्मी में खुद को सुरक्षित रख सकें। एस्टिवेशन की प्रक्रिया के दौरान जंतु के शरीर में कई तरह के परिवर्तन भी होते हैं। ज्यादातर जंतुओं में मेटाबॉलिक दर कम हो जाती है। हार्ट बीट और ब्रीदिंग भी काफी धीमी हो जाती है। एस्टिवेशन गर्मी के मौसम में जानवरों को डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

कौन से जंतु करते हैं एस्टिवेशन: एस्टिवेशन वर्टिब्रेट्स (कशेरुकी यानी रीढ़ की हड्डी वाले) और इनवर्टिब्रेट्स (अकशेरुकी यानी बिना रीढ़ की हड्डी वाले) दोनों प्रकार के जंतु करते हैं। ये जलीय, स्थलीय या उभयचर हो सकते हैं। घड़ियाल, कछुआ, मेंढक, सांप की कई प्रजातियां, लंग फिश, लेडी बीटल, मच्छर, हनी एंट, पतंगे, केंचुए, घोंघे, केकड़े जैसे कई जंतु गर्मी के मौसम में एस्टिवेशन करते हैं। *

हमिंग बर्ड, ड्वार्फ लेमूर भी करते हैं एस्टिवेशन

पक्षियों में हमिंग बर्ड भी एस्टिवेशन करता है। दरअसल, हमिंग बर्ड में मेटाबॉलिज्म (चयापचय) बहुत तेजी से होता है, जिसके लिए उसे अत्यधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। गर्मी के मौसम में जब हमिंग बर्ड को कम भोजन मिलता है, तो वह कुछ समय के लिए एस्टिवेशन में चला जाता है ताकि वह अपनी ऊर्जा बचा सके। इसी तरह ड्वार्फ लेमूर भी गर्म और शुष्क मौसम में खुद को जीवित रखने के लिए एस्टिवेशन का सहारा लेता है। ड्वार्फ लेमूर तो कई बार सात महीने तक एस्टिवेशन में रहता है।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गुदगुदाती-सिखाती कहानियां

बच्चो, हाल में ही दस मजेदार कहानियों की किताब 'बादल रोने लगा' छपकर आई है। इस किताब के लेखक प्रसिद्ध बाल-साहित्यकार संजीव जायसवाल 'संजय' हैं। किताब की लगभग सारी कहानियां ऐसी हैं, जिन्हें पढ़ने में तुमको मजा तो आएगा ही, बुरी आदतों से दूर रहने की सीख भी मिलेगी। पहली कहानी 'पिंटू आइस पार्लर' में चालाक जंबो हाथी को जंगल के मंत्री भालू दादा कैसे सबक सिखाते हैं, यह पढ़ सकते हो। 'बादल रोने लगा' एक भोले-भाले बादल के टुकड़े की प्यारी सी कहानी है। खेती करने के लिए हल और बैल में से किसान के लिए क्या अधिक महत्वपूर्ण होता है, इसका जवाब तुम 'हल और बैल' कहानी में जान सकते हो। कुछ इसी तरह सिलाई करने वाली सूई के घमंड का क्या परिणाम होता है, इसे 'नाली में सूई' कहानी में पढ़ सकते हो। खुद को दूसरे से श्रेष्ठ मानने वाली सब्जियों के आपसी विवाद की मजेदार कहानी 'सब्जियों का राजा कौन' है। चुन्नी नाम की गिलहरी को अपनी नासमझी का क्या परिणाम भुगतना पड़ता है, इसे गुदगुदाने वाली कहानी 'कटहल ने दौड़ाया' में पढ़ सकते हो। इसी तरह 'जलेबी और समोसा' कहानी पढ़कर भी तुमको मजा आएगा। इसमें एक ऐसे लापरवाह मिठाई वाले का किस्सा है, जो साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखता है। उसकी दुकान में रखे समोसे और जलेबी की बातचीत बहुत रोचक है। इनके अलावा 'शरारतों के उस्ताद', 'टीटू तुम फिर आना' और 'बात समझ में आ गई' कहानियां पढ़ने में भी तुमको खूब मजा आएगा। *

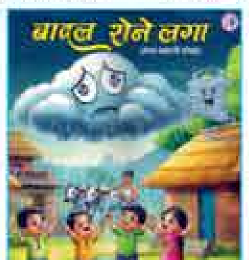

किताब : बादल रोने लगा, **लेखक :** संजीव जायसवाल 'संजय', **मूल्य :** 260 रुपए, **प्रकाशक :** अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

कहानी
मोहम्मद अरशद खान

कल ही हमने पर्यावरण दिवस मनाया है। पेड़-पौधे हमारे जीवन में ही नहीं, हर जीव जंतु के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, यह कहानी यही बता रही है। अप्पू ने अपने घर के लॉन में लगे एक घने, विशाल पेड़ को जिद करके कटवाना चाहा तो हाहाकार-सा मच गया। क्या अप्पू को पेड़ काटने का इरादा छोड़ना पड़ा?

अप्पू और पेड़

अप्पू के लॉन में एक पेड़ था। पेड़ पर कौए दिन भर शोर मचाते रहते थे। बंदर भी खूब उछल-कूद करते। हवा चलती तो कमरे में ढेर सारी सूखी पत्तियां भर जातीं। अप्पू को इन चीजों से बड़ी उलझन होती। एक दिन अप्पू ने परेशान होकर पापा से कहा कि पेड़ कटवा दें। पापा ने उसे बहुत समझाया लेकिन वह नहीं माना। आखिरकार उसकी जिद पर पापा पेड़ कटवाने पर राजी हो गए।

अगले दिन अप्पू हमेशा की तरह अपने कमरे में बैठा पढ़ रहा था। अचानक खिड़की पर 'चीं-चीं' की आवाज सुनाई दी। उसने देखा एक चिड़िया अपने दो बच्चों के साथ बैठी उसकी ओर देख रही थी। उसका चेहरा उदासी से लटका हुआ था।

'तुम्हें क्या हुआ नन्ही चिड़िया?' अप्पू ने पूछा।

चिड़िया ने बताया, 'अप्पू, मैं तुम्हें अलविदा कहने आई हूं।' अप्पू चिड़िया की बात सुनकर हैरान रह गया।

'सुना है यह पेड़ कटने जा रहा है। अब नए घर की तलाश में मुझे कहीं और जाना होगा। मेरे बच्चे अभी छोटे हैं। वे लंबी उड़ान नहीं भर सकते। रास्ते में चील-कौओं का भी खतरा रहेगा। इसलिए मैं बहुत परेशान हूं।' चिड़िया यह कह कर दुःख से चेहरा लटकाए चली गई।

अप्पू चिड़िया को पुकारना ही चाहता था कि तभी एक गिलहरी खिड़की पर चढ़ आई। उसका चेहरा भी उतरा हुआ था। वह दुखी स्वर में बोली, 'यह पेड़ मुझे बहुत प्यारा था। मैं इसकी गोद में खेल-कूदकर बड़ी हुई हूं। इसे छोड़ते हुए बहुत दुख हो रहा है, लेकिन जब यह पेड़ ही नहीं रहेगा तो मैं यहां रह कर क्या करूंगी?' गिलहरी उदासी से मुंह लटकाए चली गई। अप्पू उसकी हिलती हुई पूंछ तब तक देखता रहा, जब तक वह लॉन की दीवार से नीचे नहीं उतर गई।

तभी अप्पू की नजर लाइन बना कर जाती हुई चींटियों पर पड़ी। वे हड़बड़ी में थीं, अपने अंडे उठा कर भागी जा रही थीं। 'तुम सब कहां भागी जा रही हो?' अप्पू ने चींटियों से पूछा। 'इस पेड़ की जड़ों में हमारी बांबी थी, लेकिन अब यह पेड़ कटने वाला है, इसलिए हम लोग यह जगह छोड़कर जा रही हैं।' कहते हुए चींटियों का झुंड आगे बढ़ गया।

तभी खिड़की के पल्लों को खटखटाती हुई ठंडी हवा अंदर आई। अप्पू को बहुत अच्छा लगा। उसने कहा, 'धन्यवाद हवा, तुम्हारी वजह से हमें कितनी राहत मिलती है।'

हवा बोली, 'लेकिन अप्पू, मैं यह कहने आई हूं कि आज के बाद से मैं इधर नहीं आया करूंगी। पेड़ से मेरी दोस्ती थी। उसकी वजह से मैं इधर खिंची चली आती थी, लेकिन अब मेरा आना इधर नहीं हो पाएगा। अब यहां मेरी छोटी बहन गर्म हवा आया करेगी।' हवा की बात सुनकर अप्पू एकदम घबरा गया।

हवा के जाते ही बादल का एक टुकड़ा खिड़की पर आकर टिक गया और बोला, 'मैं भी तुम्हें अलविदा कहने आया हूं, अप्पू। पेड़ जब गर्मी से परेशान हो जाता था तो वह हवाओं से संदेश भिजवाता था। मैं आकर गर्मी से तप रही धूल सनी पत्तियों को अपनी फुहारों से धो देता था। फिर हम दोनों मिल कर खूब बातें करते थे। अब उसके बिना यहां आकर मैं क्या करूंगा?' इतना कह कर बादल आसमान में ऊपर उठ गया और धीरे-धीरे गायब हो गया।

अप्पू ने देखा फूल, रंग, खुशबू सब धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। वह यह सब देखकर डर गया। वह चीख पड़ा, 'नहीं-नहीं यह पेड़ नहीं कटेगा ..पेड़ नहीं कटेगा... मम्मी...! पापा...!'

'क्या हुआ अप्पू? नींद में क्या बड़बड़ा रहे हो?' मम्मी अप्पू को जगाती हुई बोलीं। दरअसल, अप्पू पढ़ते-पढ़ते मेज पर ही सिर रख कर सो गया था।

'अच्छा, तो यह केवल एक सपना था!' अप्पू ने चैन की सांस ली और माथे का पसीना पोंछने लगा। उसने खिड़की से बाहर झांक कर देखा। पेड़ की पत्तियां धूप में चमक रही थीं। वह पेड़ हवाओं के साथ सुर में सुर मिला कर गा रहा था। अप्पू भाग कर बाहर आया और उसने पेड़ को अपनी बांहों में भर लिया। अप्पू ने मन ही मन तय कर लिया था कि वह पापा से कह देगा कि अब इस पेड़ को नहीं कटवाएं। *

कविता
राकेश चक्र

कुल्फी लगे बड़ी कमाल

उमस, गर्मी से बेहाल।
ताजा नीर करे निहाल।।
घूंट-घूंट से बुझे प्यास है।
घड़ा, सुराही नीर स्वाद है।
कुल्फी लगे बड़ी कमाल।।
चिप-चिप-चिप-चिप बहे पसीना।
जून-जुलाई तपे महीना।
कहीं भरे सरोवर ताल।।
कहीं बाढ़ से मची तबाही।
ग्लोबल वार्मिंग दौड़ी आई।
एसी, वाहन मायाजाल।।
हमें प्रदूषण कम करना है।
पौध रोप खुशियां भरना है।
तब तपन का आए काल।।

जीके क्विज-156

1. मिस वर्ल्ड-2025 का खिताब किसने जीता?
2. किस टीम ने आईपीएल-2025 की ट्रॉफी जीती?
3. भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम का नया कप्तान किसे चुना गया है?
4. भारत की पहली महिला मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थीं?
5. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?
6. स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री कौन थे?
7. भारत का सबसे छोटा राज्य कौन-सा है?
8. किस देश को पछाड़कर भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी वाला देश बन गया है?
9. न्यूजीलैंड की राजधानी कहां है?
10. ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने के लिए मुख्य रूप से कौन-सी गैस जिम्मेदार है?

बच्चो, जीके क्विज-155 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-155 का उत्तर : 1.अनीता आनंद, 2.बानू मुश्ताक, 3.यूएसएस नाटलिस, 4.संजय मल्होत्रा, 5.कर्नाटक, 6.इटली, 7.पृथ्वीराज चौहान, 8.लैक्टोबेसिलस, 9.मैंगीफेरा इंडिका, 10. 5 जून

जीके क्विज-155 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, कोमल-रायपुर, जयंत-बिलासपुर, हर्षित- दुर्ग, दिव्या-बलौदा बाजार, संकेत-महासमुंद, कुंदन-भोपाल, आकाश-रायगढ़, शिवम-मटियारी, चिराग-रोहतक, सचिन-महेंद्रगढ़

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में टीना अपने लवली डॉगी के साथ खड़ी है। एक जैसे दिखने वाले इन दोनों चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1.डॉगी की पूंछ दिख रही है। 2.डॉगी की दोनों आंखें बंद हैं। 3.डॉगी की जीभ बाहर निकली हुई है। 4.टीना ने दो चोटियां बनाई हुई हैं। 5.टीना का मुंह बंद है। 6.टीना की टी-शर्ट पर अंग्रेजी में 'गर्ल्स' नहीं लिखा हुआ है।

चित्र पूरा करो

बच्चो, यहां पेड़ से फल तोड़ती हुई एक लड़की का चित्र दिया गया है। इस चित्र का एक हिस्सा कटा हुआ है। चित्र के बगल में दिए गए तीन ऑप्शंस में से तुम सही कटआउट को खाली जगह पर लगाकर चित्र पूरा करो।

उत्तर : A

जेईई एडवांस्ड 2025 में अनअकैडमी के छात्रों की शानदार सफलता

भोपाल। देश की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक, जेईई एडवांस्ड 2025 का परिणाम आ चुका है, और इस बार अनअकैडमी ने सफलता की एक नई कहानी लिखी है। इस साल अनअकैडमी के 4129 से ज्यादा छात्रों ने जेईई एडवांस्ड में सफलता हासिल की है, जो यह साबित करता है कि सही गाइडेंस, मेहनत और तकनीक के साथ कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। इस मौके पर अनअकैडमी के को-फाउंडर सुमित जैन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है कि इतनी बड़ी संख्या में हमारे छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। हम उज्जवल केसरी सहित सभी छात्रों को दिल से बधाई देते हैं। यह सिर्फ छात्रों की मेहनत का नहीं, बल्कि हमारे सभी शिक्षकों और पूरी टीम के दिन-रात के प्रयासों का नतीजा है। हम आगे भी इसी जुनून और समर्पण के साथ छात्रों की मदद करते रहेंगे, ताकि वे अपने सपनों को हकीकत बना सकें। 18 छात्र टॉप 100, 787 छात्र टॉप 5000, और 2205 छात्र टॉप 15000 रैंक में आए हैं। यह संख्या सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि हज़ारों सपनों के पूरे होने की कहानी है। अनअकैडमी अपने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ मजबूत सपोर्ट सिस्टम भी देता है। यहां छात्रों को डिजिटल क्लासरूम, 1:1 डाउट सॉल्विंग, एक्सपर्ट काउंसलिंग और पर्सनल गाइडेंस जैसी सुविधाएं मिलती हैं, जो उन्हें बेहतर ढंग से तैयारी करने में मदद करती हैं। जेईई या नीट की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए अनअकैडमी सेंटर ने एक अनोखी पहल की है — 'श्योर सक्सेस प्रोग्राम'। इस पहल के तहत अगर तय शर्तों के बाद भी नीट में 500 से कम या जेईई में 93 परसेंटाइल से कम स्कोर आता है, तो छात्रों को कोर्स फीस का 50 प्रतिशत वापस मिलेगा।

देव आईटी का मुनाफा 56 प्रतिशत उछला

मुंबई। देव इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, एक वैश्विक आईटी सेवा कंपनी जो क्लाउड सेवाएं, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइज एप्लिकेशन और प्रबंधित आईटी सेवाएं प्रदान करती है, और टैलीजेंस और बाइटसाइनर जैसे उत्पादों के साथ, ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। एफवाय25 समेकित मुख्य वित्तीय मुख्य बिंदु ुकुल आय 1,839.09 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 11.38 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए 237.18 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 54.91 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत) 12.90 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 362 बेसिस पॉइंट्स, शुद्ध लाभ 147.80 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 55.98 प्रतिशत, शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) 8.04 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 230 बेसिस पॉइंट्स प्रति शेयर आय 6.60, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 57.89 प्रतिशत है।

फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर ने वित्त वर्ष 25 में 186 करोड़ की कुल आय दर्ज की

मुंबई। एलईडी लाइट्स और फिक्स्चर के विनिर्माण और अभिनव प्रकाश समाधान में लगे फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड (एनएसई - फोकस) ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर के प्रबंध निदेशक, अमित शेठ ने कहा, हमने अपने व्यवसाय खंडों में स्थिर प्रगति के साथ एफवाय25 का समापन किया, निष्पादन, ग्राहक संबंधों और उत्पाद नवाचार पर हमारे फोकस ने हमें निजी और सरकारी दोनों ग्राहकों से उल्लेखनीय जीत के साथ अपनी ऑर्डर बुक का विस्तार करने में मदद की। प्रतिष्ठित बुनियादी ढाँचे के खिलाड़ियों से अनुबंध हासिल करना और एक प्रमुख राज्य सरकार के विभाग द्वारा सूचीबद्ध होना सार्वजनिक क्षेत्र और बड़े पैमाने की परियोजनाओं में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।

रेनॉल्ट इंडिया ने डिस्कवरी डेज़ की शुरुआत की

10 दिनों तक मिलेंगे धमाकेदार ऑफ़र्स, बेहतरीन लाभ और कार्निवल अनुभव

प्रतिशत ब्याज दर पर फाइनेंसिंग, प्रोसेसिंग फीस में 50 प्रतिशत की छूट

मुंबई, एजेंसी। फ्रेंच कार निर्माता रेनॉल्ट ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय शाखा रेनॉल्ट इंडिया ने आज रेनॉल्ट इंडिया डिस्कवरी डेज़ के लॉन्च की घोषणा की। यह एक रोमांचक अखिल भारतीय कैंपेन है, जो 6 जून से 16 जून 2025 तक चलेगा। इस पहल के तहत, रेनॉल्ट इंडिया ग्राहकों को अपने देशभर के शोरूम पर आमंत्रित कर रही है, जहां वे कंपनी की रोमांचक गाड़ियों की रेंज देख सकते हैं – अब रेट्रोफिट सीएनजी विकल्पों के साथ। इसके अलावा, पहली बार मिलने वाले बेहतरीन ऑफ़र्स भी ग्राहकों को मिलेंगे, जो उनकी खरीद को और भी आसान और किफायती बना देंगे। रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ दो लगातार वीकेंड पर शोरूम्स को जीवंत गतिविधियों के केंद्र में बदल देगा, जहाँ थीम आधारित कार्निवल, उपभोक्ताओं के लिए रोमांचक इवेंट्स और दिलचस्प अनुभव होंगे। ये आयोजन ऑटोमोबाइल प्रेमियों, परिवारों और पहली बार गाड़ी खरीदने वालों से जुड़ने के उद्देश्य से आयोजित किए जाएंगे। इस पहल पर बात करते हुए रेनॉल्ट इंडिया के वाइस

प्रेसिडेंट (सेल्स और मार्केटिंग), श्री फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा- हम भारतीय बाजार में रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ को लॉन्च करके बेहद उत्साहित हैं। यह अभियान न केवल प्रोडक्ट डिस्कवरी को बढ़ावा देता है, बल्कि ग्राहकों को बेहतरीन ऑफ़र्स और शोरूम में खास अनुभव भी प्रदान करता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य रेनॉल्ट के प्रति लोगों के जोश को फिर से जगाना है, हमारे उत्पादों में मौजूद इनोवेशन को सामने लाना है और हमारे ग्राहकों की वफादारी का सम्मान करना है – वो भी ऐसे फायदों के साथ, जो वाकई मायने रखते हैं। चाहे आप हमारे स्टाइलिश सिटी हैचबैक को पसंद करें, एडवेंचर के लिए तैयार एसयूवी की तलाश में हों या ईको-फ्रेंडली रेट्रोफिट सीएनजी विकल्प की ओर आकर्षित हों – हम हर कदम पर एक शानदार रेनॉल्ट अनुभव देने के लिए तैयार हैं। भारत की विविध और चुनौतीपूर्ण सड़कों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई रेनॉल्ट की कारों में स्मार्ट डिज़ाइन, फ्यूल एफिशिएंसी और आधुनिक फीचर्स का बेहतरीन मेल है। ग्राहक इस उत्सव के दौरान अपनी पसंदीदा रेनॉल्ट कार के लिए 16 जून से पहले टेस्ट ड्राइव बुक कर सकते हैं, स्पेशल डील्स का लाभ उठा सकते हैं, और रेनॉल्ट अनुभव को और करीब से महसूस कर सकते हैं।

देश में गूंजे आयोडीन की धुन - नमक हो टाटा का, टाटा नमक

बच्चों के मानसिक विकास में आयोडीन की अहमियत समझाता, टाटा नमक का नया अभियान !

मुंबई, एजेंसी। पहले कैंपेन 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' को उपभोक्ताओं से मिले प्यार से प्रेरित होकर, देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने, 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' के दूसरे संस्करण को आईपीएल फाइनल में लांच किया है। देश भर में लोगों का टाटा नमक से प्यार, और जुड़ाव को और गहरा बनाता ये कैंपेन, ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल को, ब्रांड के उद्देश्य से जोड़ते हुए, एक नए सिरे से पेश कर रहा है।

नए कैंपेन में दिल को छू लेने वाली 8 शानदार ब्रांड फिल्में हैं, जो पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं- टाटा नमक, आयोडीन की सही मात्रा से बच्चों के मानसिक विकास में सहायता करता है, जिससे देश का भविष्य और भी सशक्त बनता है। देश का नमक के दर्जे को और भी मजबूत करते हुए, यह अभियान एक मनोरंजक और मधुर अंदाज़ में टाटा नमक की गुणवत्ता और भरोसे को उजागर करता है।

ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित, इस कैंपेन में ज़िंदगी के रोज़मर्रा के पल दिखाए गए हैं ङ्क लोरी सुनाती हुई माँ, क्लासरूम में पढ़ाती हुई टीचर, या एक हँसता-खिलखिलाता परिवार, हर दृश्य में टाटा नमक एक अहम साथी के रूप में मौजूद है ङ्क ऐसा साथी जो सालों से हर भारतीय रसोई का हिस्सा रहा है।

भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुड़ी ये फिल्में, हिंदी भाषी क्षेत्रों के घरेलू माहौल, बंगाल के भावनात्मक क्षणों और मराठी घरों की आत्मीय संस्कृति को दर्शाती हैं। हर पीढ़ी से जुड़ने वाली ये कहानियाँ, रोजमर्रा के पलों और भावनाओं को सामने लाती हैं।

इस कैंपेन के बारे में दीपिका भान, प्रेसिडेंट - पैकेज्ड फूड्स, टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कहती हैं, यह पिछले साल के हमारे कैंपेन का एक स्वाभाविक और खूबसूरत विस्तार है। देश का नमक सिर्फ एक जिंगल नहीं, बल्कि वह भरोसा है जो पिछले चार दशकों में गुणवत्ता और सच्चाई के साथ जुड़ा है। यह नया संस्करण उपभोक्ताओं से हमारे रिश्ते को और गहरा बनाएगा और उनकी खुशी और भरोसे के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता दोहराएगा। अनुराग अग्निहोत्री, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर (मुंबई और कोलकाता), ओगिल्वी, ने कहा,टाटा नमक यह बताना चाहता था कि आयोडीन से बच्चों का दिमाग़ तेज़ बनता है। लेकिन इतनी अहम बात लोगों तक कैसे पहुँचे इसलिए हमने 80 के दशक की यादों को फिर से ज़िंदा किया।

नेटवर्क पीपल सर्विहसेस टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई, एजेंसी। नेटवर्क पीपल सर्विहसेस टेक्नोलॉजीज, एक अग्रणी डिजिटल पेमेंट और फिनटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाता, ने वित्त वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का कर पश्चात लाभ बढ़कर 45.20 करोड़ हो गया, जबकि राजस्व 180.62 करोड़ तक पहुंच गया। नवाचार, बाजार विस्तार और परिचालन उत्कृष्टता पर कंपनी का रणनीतिक फोकस उसके विकास को तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

एनपीएसटी के सह-संस्थापक एवं सीइओ दीपक चंद ठाकुर ने कहा, एफवाय25 हमारे लिए एक निर्णायक वर्ष रहा। हमने अपने इनोवेट, ट्रांसफॉर्म और ग्रो रणनीति के तहत एक व्यापक विकास एजेंडा शुरू किया। यह वर्ष उत्पाद नवाचार, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, प्रतिभा विकास और चुस्ती पर केंद्रित था —जो दीर्घकालिक संगठनात्मक सफलता की दिशा में प्रेरित है।

एफवाय26 में प्रवेश करते हुए, हम अधिक मूल्य प्रदान करने और ग्राहकों के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने के लिए तैयार हैं। सह-संस्थापक और संयुक्त प्रबंध निदेशक, आशीष अग्रवाल ने कहा एफवाय25 लगातार तीसरे वर्ष के रूप में मजबूत राजस्व वृद्धि लेकर आया है। एनपीएसटी के प्रदर्शन की स्थिरता और मजबूती हमारे ऐसे व्यवसाय मॉडल को दर्शाती है जो नियमित आवर्ती राजस्व, मजबूत मार्जिन और स्वस्थ नकदी प्रवाह उत्पन्न करता है।

बेरोजगारी घटने के बावजूद मई में काम मिलने की दर में आई गिरावट

रिपोर्ट में किया गया दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बेरोजगारी घटने के बावजूद रोजगार मिलने की दर में गिरावट आई है। आलम यह है कि मई, 2025 में बेरोजगारों की कुल संख्या करीब 3.18 करोड़ थी, यानी इतने लोगों के पास काम नहीं था। हालांकि, बेरोजगारों की यह संख्या अप्रैल के 3.62 करोड़ की तुलना में 44 लाख कम है।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, मई में बेरोजगारी दर घटकर 32 महीने के निचले स्तर 6.9 फीसदी पर आ गई।अप्रैल में यह 7.7 फीसदी थी।इस दौरान रोजगार मिलने की दर भी कम होकर 38.5 फीसदी रह गई, जो अप्रैल में 38.9 फीसदी रही थी। एक महीने की इस अवधि में रोजगार की संख्या में 30 लाख की कमी आई है, जबकि अप्रैल में 1.4 करोड़ की वृद्धि हुई थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के श्रमबल में शामिल 42.95 करोड़ लोगों के पास मई में रोजगार था, जो पिछले कुछ महीनों की तुलना में काफी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी में 48 लाख की गिरावट देखने को मिली, जबकि शहरी इलाकों में यह 3.3 लाख बढ़ गई।

दिल्ली ने मेड इन डब्लूयूडी (एमआईडब्लू) डिजाइन विद्यार्थियों के भव्य ग्रैजुएट शो की मेजबानी की

इस आयोजन में स्नातक की पढ़ाई कर रहे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने डिजाइन, आर्किटेक्चर, फैशन, विजुअल आर्ट्स आदि क्षेत्रों में अनूठी परियोजनाएं प्रदर्शित की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में रचनात्मकता और नवाचार का शानदार उत्सव हुआ जिसमें इंडिया हैबिटैट सेंटर की दृश्य कला वीथिका में 30 मई से एक जून तक चले मेड इन डब्लूयूडी (एमआईडब्लू) शो के प्रथम संस्करण में वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) से स्नातक की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों ने अपनी रचनाएं प्रदर्शित की। इस आयोजन में डिजाइन, आर्किटेक्चर, फैशन, विजुअल आर्ट्स, कम्युनिकेशन, इंटीरियर्स, एनिमेशन और परफॉर्मिंग आर्ट्स में स्नातक कर रहे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत की। इस प्रदर्शनी में स्कूल ऑफ फैशन से विद्यार्थियों ने ऐसे साहसिक और आगे की सोच वाले संग्रह प्रस्तुत किए जो पहचान, टिकाऊपन और किस्सागोई पर केंद्रित थे। उनके कार्यों में मॉड्युलर युटिलिटी वियर, बचे हुए फैब्रिक्स से बने सर्कुलर किड्सवियर, पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग पर नए सिरे से कार्य और भूमिगत उपसंस्कृति से प्रेरित मेन्सवियर शामिल थे। इन संग्रहों में नए विचारों के साथ शिल्पकौशल का मेल

देखने को मिला। वहीं उद्योग के साथ गठबंधन ने विद्यार्थियों का वास्तविक दुनिया के अनुभव से परिचय कराया और अधिक सार्थक एवं उद्देश्यपूर्ण फैशन की दिशा में रुख सामने आया। इस बीच, स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर ने ऐसी अनूठी परियोजनाएं पेश की जिनमें जगह और टिकाऊपन के बारे में नए तरीके से सोचना की संभावनाएं तलाशी गईं। इनमें एक जलवायु परिवर्तन से निपटने वाला कैंपस शामिल है जिसने अंतरक्षेत्रीय सीख, असम में बांस आधारित नवप्रवर्तन केंद्र, उज्जैन में एक टिकाऊ होटल परियोजना और कनॉट प्लेस में एक टीओडी का प्रस्ताव शामिल है जो कामकाज, रहने और मौज मस्ती का मेल कराता है। मैटेरियल, पर्यावरण और स्थानीय संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करने के साथ इन विद्यार्थियों ने भारत के निर्मित वातावरण के भविष्य उत्साहजनक विचारों की पेशकश की।

वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के कुलपति डाक्टर संजय गुप्ता ने कहा, एमआईडब्लू हमारे विद्यार्थियों की भावना- उनके धैर्य, मौलिकता और महत्वाकांक्षा का जश्न मनाने का एक मंच है। आज इसे देश में स्नातकों के प्रदर्शन का सबसे बेहतरीन मंचों में से एक के तौर पर जाना जाता है। जो चीज़ मुझे सबसे अधिक उत्साहित करती है वह यह है कि हमारे विद्यार्थी ना केवल परिष्कृत कौशल, बल्कि संदर्भ, सहानुभूति, टिकाऊपन और नवप्रवर्तनी की गहरी समझ के साथ इस दुनिया में कदम रख रहे हैं जोकि आने वाले कल के रचनात्मक नेताओं के लिए आवश्यक घटक हैं।

पेट फूड मार्केट में विदेशियों का दबदबा देख बजी दिमाग की घंटी, अपना ब्रांड किया लॉन्च, अब करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। छतीसगढ़ के रहने वाले फहीम सुल्तान अली ने जबरदस्त कारोबारी सफलता हासिल की है। वह ड्रूल्स पेट फूट के संस्थापक हैं। साल 2010 में उन्होंने इसकी नींव रखी थी। फहीम ने इसे आईबी ग्रुप के तहत शुरू किया था। उनका मकसद था भारत में बने किफायती और अच्छे पेट फूड बनाना। आज ड्रूल्स एक बड़ा ब्रांड बन गया है। यह लगभग 800 करोड़ रुपये का कारोबार करता है। यह हर साल 40 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। आइए, यहां फहीम सुल्तान अली की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विदेशी ब्रांडों का दबदबा देख चला दिमाग - छतीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में रहने वाले फहीम सुल्तान अली ने भारत में पेट फूड मार्केट में विदेशी ब्रांडों के दबदबे को देख स्थिति बदलने का फैसला किया। उन्होंने देखा कि विदेशी पेट फूड महंगे हैं। साथ ही उनमें पोषण भी कम है। लिहाजा, उन्होंने 2010 में ड्रूल्स की शुरुआत की। उनका मकसद था कि भारत में ही किफायती और अच्छी क्वालिटी का पेट फूड बनाया जाए। फहीम ने ढ्ढक्चग्रुप के तहत इस ब्रांड की शुरुआत की, जो पहले से ही पोल्ट्री और पशुधन फीड के क्षेत्र में मौजूद थी। इस पृष्ठभूमि ने उन्हें गुणवत्तापूर्ण सामग्री की सोर्सिंग और निर्माण प्रक्रिया को समझने में मदद की। उन्होंने देखा कि भारतीय पालतू पशु मालिकों को स्थानीय रूप से बने उत्पादों की जरूरत है जो उनके बजट में फिट हों।

एथर रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स बिकीं

● रिज़्टा ने मुख्य राज्यों में एथर का बाजार अंश बढ़ाया। ● पिछले साल रिज़्टा लॉन्च होने के बाद एथर के कुल सेल वॉल्यूम में इसकी हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है

बैंगलुरू, एजेंसी। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता, एथर एनर्जी लिमिटेड के फैमिली स्कूटर, रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट बिक चुकी हैं। रिज़्टा ने बाजार में उतरने के एक साल के अंदर यह उपलब्धि हासिल कर ली है। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर अप्रैल, 2024 में लॉन्च किया गया था। रिज़्टा को भारत में फैमिली स्कूटर के ग्राहकों ने बहुत पसंद किया है, जिन्होंने एथर के बाजार अंश को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस उपलब्धि के बारे में रवनीत फोकेला, चीफ बिज़नेस ऑफिसर, एथर एनर्जी ने कहा, ''रिज़्टा की 1 लाख से अधिक यूनिट्स का बिकना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। रिज़्टा का निर्माण भारतीय परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया है। इसने हमें बड़ी संख्या में ग्राहकों तक पहुँचाकर हमारा विस्तार करने में अहम भूमिका निभाई है। इसमें वह हर विशेषता मौजूद है, जो एक फैमिली स्कूटर में होनी चाहिए। इसकी सीट विशाल और आरामदायक है। पर्याप्त स्टोरेज मिलता है। बेहतरीन सुरक्षा विशेषताएं हैं और यह विश्वसनीय है, जिससे दैनिक आवागमन आसान हो जाता है। ये सभी विशेषताएं एक बेहतरीन डिज़ाईन में दी गई हैं, जिसके लिए एथर मशहूर है।

गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड का आईपीओ 4 जून 2025 को खुलेगा

कुल इश्यू साइज - 10 के फेस वैल्यू वाले 66,63,000 इक्विटी शेयर तक

मुंबई, एजेंसी। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड (कंपनी, गंगा), जो बाथरूम एक्सेसरीज की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्माण करती है, बुधवार, 4 जून 2025 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने जा रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी 32.65 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण/मशीनरी की खरीद हेतु पूंजीगत व्यय, कुछ कर्जों का पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू 6 जून 2025 को बंद होगा।

इस इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर है जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, और रजिस्ट्रार है केएफआईएन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड। गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जिमी तुषारकुमार तिलवा ने कहा- हम अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा करते हुए अत्यंत हर्षित हैं – यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कंपनी की यात्रा को दर्शाता है कि कैसे एक घरेलू निर्माता से हम भारतीय सैनिटरीवेयर उद्योग के एक प्रमुख खिलाड़ी बन गए हैं। वर्षों से, हमने गुणवत्तायुक्त और विविध उत्पाद पोर्टफोलियो तैयार किया है, जिसे हम अपने इन-हाउस ब्रांड्स, ओईएम साझेदारियों और ट्रेडिंग गतिविधियों के माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। यह आईपीओ हमारे भविष्य के दृष्टिकोण को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा – जिससे हम आधुनिक मशीनरी में निवेश कर सकेंगे, अपने निर्माण कार्यों को बढ़ा सकेंगे और अपनी वित्तीय नींव को सशक्त कर सकेंगे। यह नवाचार और बाजार में गहराई से प्रवेश की दिशा में पहला कदम है। यह हमारे विकास की नई शुरुआत है।

जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री अनुप कुमार गुप्ता ने कहा हम गंगा बाथ फिटिंग्स लिमिटेड के आईपीओ के लिए लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर प्रसन्न हैं। कंपनी उत्पाद गुणवत्ता, परिचालन दक्षता और बाजार विकास पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए कार्य कर रही है।

सम्राट पृथ्वीराज चौहानः

'राजमाता' की भूमिका के लिए पद्मिनी ने की खूब मेहनत, सुनाया मजेदार किस्सा

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाली बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। पद्मिनी चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान में राजमाता की भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि 'राजमाता' के किरदार के लिए उन्होंने कैसे और क्या तैयारी की।

पद्मिनी ने बताया कि राजमाता की भूमिका उनके करियर का एक खास अनुभव रहा है। उन्होंने इस किरदार को निभाने के लिए खूब मेहनत की। अभिनेत्री ने बताया, मैंने ऐतिहासिक किताबें, लोक कथाएं और डॉक्यूमेंट्री देखी ताकि उस दौर को समझ सकूं। राजमाता सिर्फ पृथ्वीराज की मां ही नहीं थीं, बल्कि उनकी ताकत और मार्गदर्शक भी थीं। एक मां के तौर पर मैं उनकी भावनाओं को समझ सकती हूं। इस किरदार को निभाना मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी थी। पद्मिनी ने मजाकिया अंदाज में बताया कि उन्होंने इस विषय पर इतना सर्च किया कि उनका फोन अब भी सिर्फ पृथ्वीराज और उस युग से जुड़ी चीजें ही सुझाता है। उन्होंने राजमाता की शांत ताकत और गरिमा को पर्दे पर लाने के लिए हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान दिया।

टेलीविजन पर वापसी को लेकर उत्साहित पद्मिनी कोल्हापुरी ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं इसमें दमदार भूमिका निभा रही हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है। उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई।

किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं। चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान पृथ्वीराज के जीवन पर आधारित है, जो एक राजकुमार से एक महान योद्धा बनने की कहानी को दिखाता है। यह शो उनकी चुनौतियों, जीत और उस विरासत को दिखाएगा, जिसने उन्हें इतिहास में अमर कर दिया। शो में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

यह शो भारत के वीर योद्धा पृथ्वीराज चौहान की कहानी को पर्दे पर जीवंत करेगा और 4 जून से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

कुएं में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में नहीं जाऊंगी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस हमेशा चर्चा में रहता है. इस शो को 18 सीजन आ चुके हैं और सभी को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. इन दिनों बिग बॉस 19 को लेकर लगातार अपडेट मिल रहे हैं. बीते दिनों इस शो के अगले सीजन में शामिल होने वाले स्टार्स की एक लिस्ट सामने आई थी. हालांकि, मेकर्स की तरफ से शो शुरू होने से पहले कभी लिस्ट अनाउंस नहीं की जाती है लेकिन सोशल मीडिया पर इस तरह के नाम सामने आते रहते हैं. इसी बीच टीवी इंडस्ट्री की एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने सलमान खान के शो के लिए बहुत बड़ी बात कह दी है. आइए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस कौन है और क्या कहा है.

चाहत खन्ना ने बिग बॉस की जमकर बुराई: इस दौरान उन्होंने बिग बॉस में जाने के सवाल पर रिएक्शन दिया है. चाहत खन्ना ने कहा, मुझे इस शो का ऑफर तो हर साल आता है लेकिन मैं कभी ना जाऊं. मुझे अगर मौका मिला तो मैं कुंए में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी. मैं ये भी बात जानती हूं कि वो कितना षडयंत्र रचकर बैठे होंगे. वो मेरे पास्ट की धज्जियां उड़ा देंगे. मेरे पास अगर कभी खान के लिए पैसे नहीं होंगे तो मैं कहीं नौकरी कर लूंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी.

चाहत खन्ना कर रही हैं खुद का काम: बताते चलें कि चाहत खन्ना ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह टीवी से काफी समय से दूर हैं और इसमें काम नहीं करता चाहती हैं. उन्होंने बताया है कि उन्हें उनके मुताबिक ऑफर और पैसे नहीं मिल रहे हैं इसलिए उन्होंने खुद का काम शुरू कर दिया है. चाहत खन्ना ने बताया कि वह अपने काम में अच्छा कर रही हैं और बिजनेस वुमन बनकर घर और काम दोनों संभाल रही हैं.

कावेरी कपूर की 'डबलिन डायरीज़' ने फैंस को आयरलैंड घूमने के दिखाए ख्वाब

सिंगर, सॉन्गराइटर और अभिनेत्री कावेरी कपूर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने ट्रैवल लवर्स को ज़बरदस्त वॉन्डरलस्ट में डाल दिया है। कावेरी इन दिनों डबलिन की शांत और सुरम्य फिज़ाओं का आनंद ले रही हैं और उन्होंने अपने डबलिन डायरीज़ पोस्ट के ज़रिए फैन्स को जबरदस्त ट्रैवल ख़्वाहिश दे दिया। उन्होंने आयरलैंड की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक जीवंतता की कुछ दिल छू लेने वाली झलकियां साझा कीं। हरी-भरी वादियों पर छाए नाटकीय बादलों से लेकर, पूरी तरह खिले हुए चेरी ब्लॉसम्स, शांत झीलों के किनारे उगते और डूबते सूरज, पहाड़ों का साफ़ पानी में प्रतिबिंब, रंग-बिरंगी गलियाँ, और आइकोनिक पिंक लूसीज़ विंटेज लाउंज–कावेरी की यह पोस्ट मानो हमें वर्चुअल टूर पर ले गई हो।

कावेरी इन दिनों इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उन्होंने कुणाल कोहली की बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी से बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसे ओटीटी पर खूब सराहा गया। उनकी परफॉर्मेंस को भी आलोचकों और दर्शकों से भरपूर तारीफ मिली। एक्टिंग के साथ-साथ कावेरी म्यूज़िक की दुनिया में भी अपनी छाप छोड़ रही हैं। अब तक वह चार म्यूज़िक वीडियोज़ कर चुकी हैं। अपनी डेब्यू फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने भी उन्होंने खुद गाया है, जो उनका पाँचवाँ म्यूज़िक वीडियो बन गया है। इसके अलावा, कावेरी ने अपने क्रिएटिव सफर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। उन्होंने हाल ही में एक धागा का मूल अंग्रेज़ी वर्जन रेमिनिस रिलीज़ किया। यह बेहद निजी ट्रैक उनके लिए खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्होंने इसे तब लिखा था, जब वह सिर्फ़ 15 साल की थीं। इस गाने में उन्होंने अपनी शुरुआती गीत लेखन क्षमता और भावनात्मक परिपक्वता का प्रदर्शन किया था। इस गाने को इंडस्ट्री से काफ़ी प्रशंसा मिल रही है। कावेरी की अगली फ़िल्म मासूम 2 है, जिसमें वह सिनेमा के दिग्गज नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए तैयार हैं।

दीपिका के बाद अब पंकज त्रिपाठी ने 8 घंटे शिफ्ट का किया समर्थन, बोले- बहुत हुआ 16-18 घंटे काम

दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस छिड़ गई है। दीपिका पादुकोण के फिल्म छोड़ने के पीछे की एक वजह एक्ट्रेस के 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करना भी माना जा रहा है। इसके बाद अब कई और कलाकार भी इस पर अपनी राय रख रहे हैं। अब दिग्गज अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने इस मामले पर अपनी राय दी है और आठ घंटे की शिफ्ट का समर्थन किया है।

16 से 18 घंटे काम के घंटों पर जताई नाराजगी

इस दौरान पंकज त्रिपाठी ने उन दिनों को याद किया जब उनके काम के घंटे लगातार बढ़ते रहे। सेट पर अपने काम के घंटों को 16 से 18 घंटे तक बढ़ाए जाने पर अपनी नाराजगी जताते हुए अभिनेता ने कहा कि मैं बोल भी रहा हूं कि एक्टर जा चुका है, लेबर रुका हुआ है। लेकिन अब बहुत हुआ 16-18 घंटे काम। अब मैंने बहुत ही प्यार से अपने काम के घंटे बढ़ाने से मना करना शुरू कर दिया है। मैं अब अपनी सीमा नहीं लांघता। मैं अब निर्देशकों से भी कहूंगा कि जो कुछ भी बचा है, वह अगले दिन किया जाएगा।

मणिरत्नम ने बताई उचित मांग

इससे पहले इस मामले पर निर्देशक मणिरत्नम भी अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं। 'ठग लाइफ' के प्रमोशन में जुटे निर्देशक मणिरत्नम ने 8 घंटे शिफ्ट पर कहा था, मुझे लगता है कि यह एक उचित मांग है। मुझे खुशी है कि वह इसके लिए पूछने की स्थिति में है। मुझे लगता है कि एक फिल्म निर्माता के रूप में, आप कास्टिंग करते समय इस बात को ध्यान में रखेंगे। यह पूछना कोई अनुचित बात नहीं है, बल्कि एक बड़ी जरूरत है।

माफी नहीं मांगने पर फंसे कमल हासन

● हाईकोर्ट ने दिया झटका, कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी ठग लाइफ

कन्नड़ भाषा को लेकर दिए गए कमल हासन के बयान पर अब मामला बढ़ता जा रहा है। अपने बयान पर माफी न मांगना कमल हासन को महंगा साबित हुआ है। जिसका खामियाजा उनकी आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' को उठाना पड़ा है। फिल्म 'ठग लाइफ' अब फिलहाल 5 जून को कर्नाटक में रिलीज नहीं होगी। हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक फिल्म के कर्नाटक में रिलीज पर रोक लगा दी है।

10 जून तक अटकी फिल्म की रिलीज

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने आज कहा कि कमल हासन के कन्नड़ भाषा पर दिए गए बयान से राज्य में अशांति फैल गई है। कर्नाटक में फिल्म ठग लाइफ की रिलीज के लिए सुरक्षा की मांग करने वाले अभिनेता की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यह टिप्पणी की और सुनवाई 10 जून तक के लिए स्थगित कर दी। ऐसे में अब फिल्म फिलहाल 10 जून तक कर्नाटक में रिलीज नहीं हो सकेगी। फिल्म पहले 5 जून को रिलीज होने वाली थी।

कमल हासन ने माफी मांगने से किया इंकार

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, कमल हासन ने कर्नाटक में 'ठग लाइफ' की रिलीज को रोकने पर सहमति जताई। कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप वाली कमल हासन की टिप्पणी के बाद हाईकोर्ट ने ये फैसला किया है। अपने बयान पर माफी मांगने से इंकार करते हुए अभिनेता ने कहा कि उनके मन में कोई दुर्भावना नहीं थी और न ही किसी दुर्भावना से उन्होंने वो टिप्पणी की। कमल हासन ने फिल्म चैंबर के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव रखा।

कमल हासन का तर्क, गलत तरीके से पेश किया गया बयान

जस्टिस एम नागप्रसन्ना की बेंच ने यह फैसला किया है। यह मामला 'ठग लाइफ' के ऑडियो रिलीज के दौरान कमल हासन के दिए गए एक बयान से पैदा हुआ है। लंच से पहले की सुनवाई में हाई कोर्ट ने मौखिक रूप से कमल हासन को अपने बयान के लिए माफी मांगने को कहा था। क्योंकि इससे कर्नाटक के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। लेकिन कमल हासन ने माफी मांगने से इंकार कर दिया।

हरियाणवी बोलने वालों को समझा जाता है अनपढ़: एल्विश यादव

यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव ने हरियाणवी भाषा के साथ जुड़ी गलतफहमी पर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि हरियाणवी बोलने वाला कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, उसे अनपढ़ ही समझा जाता है।

एल्विश यादव ने बताया, मेरे मन में ये चीजें चलती रहती हैं। मैंने कहीं पढ़ा था कि ज्यादातर लोग सोचते हैं कि हमारी जैसी भाषा होती है, वैसी ही इमेज बना ली जाती है। जैसे हरियाणवी, जो खड़ी बोली है, कुछ लोगों को अनपढ़ लोगों की भाषा लगती है। उन्हें लगता है कि हम ठीक से बोलना नहीं जानते। लेकिन यह सच नहीं है। एल्विश यादव के रूप में लोकप्रिय सिद्धार्थ यादव हरियाणा से हैं और उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया है। 28 वर्षीय एल्विश 'बिग बॉस ओटीटी 2' और 'एमटीवी रोडीज डबल क्रॉस' जैसे शो के विजेता रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह कड़ी मेहनत करते थे और टॉपर रहे हैं। उन्होंने बताया, सच तो यह है कि मैंने बहुत पढ़ाई की है। मैं कड़ी मेहनत करता था। मैं टॉपर रह चुका हूं। मैंने परीक्षाएं अच्छे नंबरों में पास की हैं। मेरा मानना है कि यदि कोई तमिलनाडु से है, तो उसकी भाषा तमिल है। ऐसे ही हरियाणा की भी अपनी भाषा है, लेकिन हमारी भाषा के बारे में गलतफहमी है। एल्विश का मानना है कि हरियाणवी बोलने वालों के बारे में एक गलत धारणा बन गई है। उन्होंने कहा, एक स्टीरियोटाइप बना दिया गया है कि जो कोई भी हरियाणवी बोलता है-चाहे वह कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह अनपढ़ होगा। वह ठीक से बोलना नहीं जानता। लेकिन यह हमारी भाषा है। हर किसी की अपनी भाषा होती है। इसलिए मैं जिस तरह से बोलता हूं, वह बिल्कुल ठीक है। लेकिन लोग मानते हैं मैं अहंकार में रहता हूं। हो सकता है कि मुझमें थोड़ा अहंकार हो, लेकिन उतना नहीं जितना लोग सोचते हैं। उन्होंने आगे बताया, लोग मुझे गलत समझते हैं? इतना कि इसके लिए मीम्स भी बनने लगे हैं। लेकिन मैं एक अच्छा इंसान हूं।

द ट्रेटर्स से एक्टिंग में डेब्यू करने जा रहीं अंशुला कपूर

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्याड्ड आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं? जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। द ट्रेटर्स के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरौजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं।

-साभार-एजेंसी

आईपीएल चैंपियन आरसीबी का बेंगलुरु में जोरदार स्वागत, चहेते खिलाड़ियों को देखने पहुंचे फैंस

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बुधवार दोपहर जब यहां पहुंची तो हवाई अड्डे के बाहर बड़ी संख्या में खड़े प्रशंसकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। विधान सौध (विधानसभा) में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यालय के रास्ते में सड़क के दोनों ओर एकत्रित प्रशंसकों ने चैंपियन टीम का

उत्साहवर्धन किया।

आरसीबी ने मंगलवार को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल में पंजाब किंग्स को छह रन से हराकर 18 साल में अपना पहला खिताब जीता था। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद आरसीबी के खिलाड़ी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रशंसकों से मुखातिब होंगे।

बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस के एक्स पर जारी बयान के अनुसार विधान सौधा से स्टेडियम तक बहुप्रतीक्षित खुली छत वाली बस परेड यातायात संबंधी परेशानियों के कारण नहीं हो सकती है। शहर में बारिश के मौसम ने भी अधिकारियों को ऐसा निर्णय लेने के लिए मजबूर किया होगा।

इसके साथ ही आरसीबी की जीत के बाद कल रात भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री अगर विशेष अनुमति देते हैं तो अब भी परेड हो सकती हैं क्योंकि खुली बस उनके कार्यालय के पास खड़ी है।

आरसीबी को 20 करोड़, पीबीकेएस को 12.5 करोड़,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रन से हराकर अपना पहला खिताब जीता। पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आरसीबी 190/9 पर ढेर हो गई। जवाब में पंजाब ने मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन पावरप्ले के बाद आरसीबी ने नियमित अंतराल पर झटके देकर गति बदल दी और पंजाब 20 ओवर में 184/7 के स्कोर के साथ 6 रन से पिछड़ गया। आरसीबी को आईपीएल 2025 जीतने पर 20 करोड़ रुपए मिले जबकि पीबीकेएस को 12.5 करोड़ रुपए मिले। हालांकि प्राइज मनी की लिस्ट यहीं पर खत्म नहीं होती आइए जानते हैं किसे कितनी राशि मिली है-

विजेता (आरसीबी) -20 करोड़ रुपए
उप-विजेता (पीबीकेएस) - 12.5 करोड़ रुपए मिलेंगे
तीसरे नम्बर पर रहने वाली टीम (मुंबई इंडियंस) - 7 करोड़ रुपए
चौथे स्थान पर रहने वाली टीम (गुजरात टाइटन्स) - 6.5 करोड़ रुपए
ऑरेंज कैप विजेता (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
पर्पल कैप विजेता (प्रसिद्ध कृष्णा) - 10 लाख रुपए
इमर्जिंग प्लेयर विजेता (साई सुदर्शन) -10 लाख रुपए
मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (सूर्यकुमार यादव) - 15 लाख रुपए
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन (वैभव सूर्यवंशी) - 10 लाख रुपए + टाटा कर्व
फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
बेस्ट कैच विजेता (कामिंडू मेंडिस) - 10 लाख रुपए
सबसे ज्यादा डॉट बॉल (मोहम्मद सिराज) - 10 लाख रुपए
सुपर सिक्स (निकोलस पूरन) - 10 लाख रुपए
फोर ऑफ द सीजन (साई सुदर्शन) - 10 लाख रुपए
फेयरप्ले अवॉर्ड (चेन्नई सुपर किंग्स) -10 लाख रुपए
पिच और ग्राउंड (दिल्ली कैपिटल्स का होम ग्राउंड नई दिल्ली) - 50 लाख रुपए
बेंगलुरु बनाम पंजाब फाइनल में पुरस्कार विजेताओं की सूची
प्लेयर ऑफ द मैच (क्रुणाल पांड्या) - 5 लाख रुपए
सुपर स्ट्राइकर (जितेश शर्मा) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा डॉट बॉल (क्रुणाल पांड्या) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा चौके (प्रियांश आर्य) - 1 लाख रुपए
फैंटेसी किंग (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए
सबसे ज्यादा छक्के (शशांक सिंह) - 1 लाख रुपए

प्रसिद्ध कृष्णा ने जीती पर्पल कैप, साई सुदर्शन के नाम रही ऑरेंज कैप

अहमदाबाद(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) पर 6 विकेट से यादगार जीत के साथ 18 साल ट्रॉफी अपने नाम की। आईपीएल 2025 खत्म होने के साथ ही आईपीएल

पुरस्कार की लिस्ट सामने आ गई है। पंजाब किंग्स के प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा विकेट्स के साथ पर्पल कैप अपने नाम की जबकि गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर रहे। आइए आईपीएल 2025 के पुरस्कार लिस्ट पर नजर डालते हैं और जानते हैं किसने कौन सा अवार्ड अपने नाम किया -

आईपीएल 2025 पुरस्कार
आईपीएल 2025 विजेता - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
आईपीएल 2025 उपविजेता - पंजाब किंग्स
प्लेयर ऑफ द मैच = क्रुणाल पांड्या (आरसीबी)
इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन (जीटी)
सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन = वैभव सूर्यवंशी (आरआर)
फैंटेसी किंग ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन (जीटी)
पर्पल कैप = प्रसिद्ध कृष्णा (25 विकेट, पीबीकेएस)
ऑरेंज कैप = साई सुदर्शन (759 रन, जीटी)
सुपर सिक्स ऑफ द सीजन = निकोलस पूरन (एलएसजी)
ऑन द गो फोर ऑफ द सीजन = साई सुदर्शन - 88 फोर (जीटी)
सबसे ज्यादा डॉट बॉल ऑफ द सीजन = मोहम्मद सिराज (जीटी)
कैच ऑफ द सीजन = कामिंदु मेंडिस (एसआरएच)
फेयरप्ले अवार्ड = चेन्नई सुपर किंग्स
सबसे वेल्यूएबल खिलाड़ी ऑफ द सीजन = सूर्यकुमार

अल्काराज लगातार तीसरे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेनिश टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन ने क्वार्टर फाइनल में 12वीं सीड अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल को केवल 94 मिनट में हराया। वहीं, इटली के लोरेंजो मुसेटी भी अंतिम-4 में पहुंच गए हैं। विमेंस सिंगल्स की मौजूदा चैंपियन पोलैंड की टेनिस स्टार इगा स्वियातेक और वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका भी अगले दौर में पहुंच गई हैं। सेमीफाइनल में मुसेटी से भिड़ेंगे अल्काराज अल्काराज लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अल्काराज ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। उन्होंने 6-0, 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की।

अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेटी से होगा, जिन्होंने फ्रांसेस टियाफो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। यह मुकाबला शुक्रवार, 6 जून को खेला जाएगा। मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से मजाकिया अंदाज में इसलिए माफी मांगी क्योंकि मैच जल्दी खत्म हो गया था। मुसेटी के मैच के दौरान विवाद इटली के टेनिस खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मुसेटी ने पहली बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में

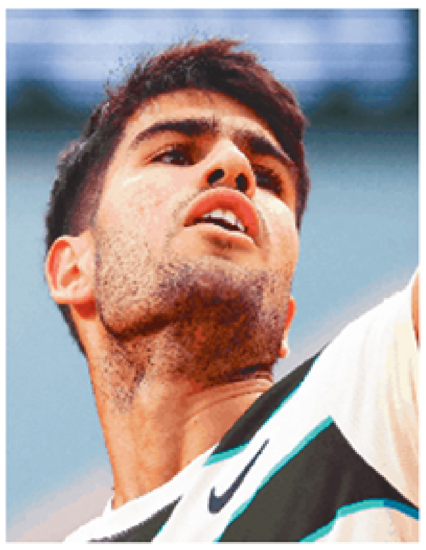

उन्होंने अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। हालांकि, मैच के दौरान एक विवाद हो गया। मुसेटी ने दूसरे सेट में हार के बाद गेंद को लात मार दी, जो एक महिला लाइन जज के सीने पर जा लगी। इस पर उन्हें अनस्पोर्ट्समैनलाइक कंडक्ट के लिए चेतावनी दी गई। मुसेटी ने तुरंत माफी मांगी और कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण था।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज का किया सुपड़ा साफ

द ओवल (इंग्लैंड), एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जेमी स्मिथ (64), बेन डकेट (58), जो रूट (44) और जॉश बटलर (नाबाद 41) रनों की शानदार पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डीएलएस पद्धति से 62 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से विकेट से हरा कर तीन मैचों की श्रृंखला भी 3-0 से अपने नाम कर ली है। केनिंगटन ओवल स्टेडियम में मंगलवार देर रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने शरफेन रदरफोर्ड (70), गुडाकेश मोती (63) की अर्धशतकीय पारियों और अल्जारी जोसेफ (41), केसी कार्टी (29), ब्रैंडन किंग (16) और जस्टिन ग्रीव्स (12) रनों के योगदान से 40 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रनों का स्कोर खड़ा किया। मैच दो बार प्रभावित हुआ।

यातायात जाम की समस्या के कारण वेस्टइंडीज की टीम टॉस के लिए तय समय पर मैदान तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद बारिश के कारण 90 मिनट का खेल प्रभावित हुआ। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए। साकिब महमूद, ब्राइडन कार्स और मैथ्यू पॉट्स को दो-दो विकेट मिले।

इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में गुडाकेश मोती ने जेमी स्मिथ 28 गेंदों में (64) रन को बोल्ड कर वेस्टइंडीज को पहली सफलता दिलाई। इंग्लैंड का दूसरा विकेट बेन डकेट 46 गेंदों में (58) रन के रूप में गिरा। उन्हें 16वें ओवर में रॉस्टन चेज ने लुईस के हाथों कैच आउट कराया।

जो रूट (44) का शमारा जोसेफ ने शिकार किया। इंग्लैंड ने 29.4 ओवर में तीन विकेट पर 246 रन बनाकर डीएलएस पद्धति से मैच 62 गेंदें शेष रहते सात विकेट से जीत लिया। कप्तान हैरी ब्रूक (26) और जॉस बटलर (41) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 में जीत के लिए 246 रन के लक्ष्य का लक्ष्य मिला जिसे उसने 62 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

अनुभवहीनता के कारण हमें थोड़ा नुकसान हुआ

● मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने बताई हार की वजह

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के मुख्य को रिकी पोंटिंग ने माना कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम को मध्यक्रम में अनुभव की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तानों में शामिल इस पूर्व बल्लेबाज ने हालांकि उम्मीद जताई कि टीम के युवा खिलाड़ी भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स

का प्रभावशाली प्रदर्शन फाइनल में आरसीबी से छह रन की हार के साथ समाप्त हुआ। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल ट्रॉफी जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म किया।

जीत के लिए 191 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। शशांक सिंह (30 गेंदों में नाबाद 61 रन) ने आखिरी ओवरों में आक्रामक अर्धशतक जड़ा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, 'आप आज रात टीम को महसूस सकते हैं कि शायद थोड़ी सी अनुभवहीनता के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा। आज मध्यक्रम में थोड़ा सा अनुभव शायद हमारी मदद कर सकता था। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि वे आगे चलकर हमारे लिए कई मैच जीतने जा रहे हैं।

आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार बोले-

यह जीत विराट कोहली और प्रशंसकों की

पाटीदार ने कहा, ई साला कप नमदु!

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने हाल ही में मिली शानदार जीत को बेहद खास बताते हुए इसे विराट कोहली और वर्षों से समर्थन देने वाले प्रशंसकों को समर्पित किया। क्वालिफायर 1 के बाद से ही टीम को भरोसा था कि वे इस सीजन में कुछ बड़ा कर सकते हैं। पाटीदार ने अपनी टीम के गेंदबाजों की शानदार रणनीति और प्रशंसकों के अटूट समर्थन की जमकर तारीफ की।

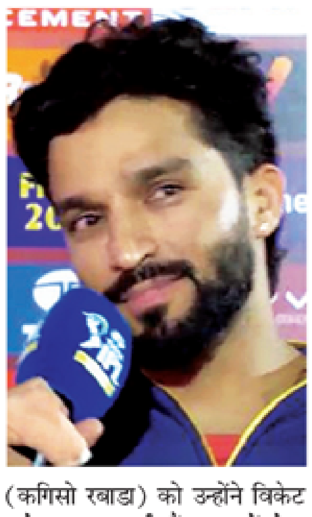

पाटीदार ने कहा कि यह मेरे लिए, विराट कोहली और उन सभी प्रशंसकों के लिए खास है, जिन्होंने सालों से हमारा साथ दिया। वे इस जीत के हकदार हैं। क्वालिफायर 1 के बाद हमें लगा कि हम यह कर सकते हैं। उन्होंने पिच को थोड़ा धीमा बताते हुए कहा कि 190 रन इस ट्रैक पर अच्छा स्कोर था। गेंदबाजों ने अपनी योजना को शानदार तरीके से लागू किया, जो देखने में शानदार था। विशेष रूप से केपी (कगिसो रबाडा) को उन्होंने विकेट लेने वाला गेंदबाज बताया। पाटीदार ने कहा, जब भी मैं दबाव में होता हूं, मैं केपी की ओर देखता हूं।

सुयाश प्रभुदेसाई के पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन और भुवनेश्वर कुमार, यश ठाकुर, जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबाजों की तारीफ करते हुए पाटीदार ने रोमारियो शेफर्ड की भी सराहना की, जिन्होंने 2-3 ओवर में निर्णायक सफलता दिलाई। उन्होंने कहा कि रोमारियो का योगदान और उनकी सफलता बेहद खास थी।

आईसीसी रैंकिंग: यशस्वी जायसवाल ने दो स्थान की लगाई छलांग, श्रीलंकाई बल्लेबाज परेरा को भी मिला फायदा

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा जारी हुई टी-20 रैंकिंग में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसावल को फायदा हुई है। इन दिनों बिना टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले भी उन्होंने दो स्थान की छलांग लगा दी है। वहीं, श्रीलंकाई बल्लेबाज ने भी एक पायदान ऊपर पहुंच गया है।

आईसीसी की टी-20 रैंकिंग के टॉप-5 में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड 856 अंक के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

दूसरे स्थान पर भारत के अभिषेक शर्मा मौजूद हैं। उनके 829 अंक हैं। तीसरे पायदान पर इंग्लैंड के फिल साल्ट 815 अंक के साथ काबिज हैं।

तिलक और सूर्यकुमार टॉप-5 में- भारतीय मिडिल ऑर्डर की जान बनते जा रहे तिलक वर्मा नंबर-4 पर हैं। तिलक के 804 अंक है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव 729 अंक के साथ पांचवें नंबर पर बने हुए हैं। ताजा जारी हुई रैंकिंग में 9वें नंबर पर दो खिलाड़ी मौजूद हैं।

कुसल परेरा को भी मिला फायदा

श्रीलंका के कुसल परेरा ने एक स्थान की छलांग लगाकर 9वां स्थान हासिल कर लिया है। परेरा के 676 अंक हो गए हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के रीजा हैंड्रिक्स को भी एक स्थान का फायदा मिला है। वह भी संयुक्त रूप से 9वें पायदान पर पहुंच गए हैं।

बाबर आजम को हुआ नुकसान

यशस्वी जायसवाल अभी भी टॉप-10 में जगह नहीं बना पाए हैं लेकिन जायसवाल ने दो स्थान की लंबी छलांग लगाई है। वह 673 अंक के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को तीन स्थान का नुकसान हुआ है। वह 12वें स्थान पर खिसक गए हैं। रिजवान भी एक स्थान लुढ़कर 13वें स्थान पर काबिज हो गए हैं।

इजराइली बलों ने सहायता केंद्र की ओर जा रहे लोगों पर गोलीबारी की, 27 व्यक्तियों की मौत : अधिकारी

» रफह (गाजा पट्टी), भाषा।

इजराइल के सुरक्षा बलों ने गाजा में एक सहायता वितरण केंद्र की ओर बढ़ रहे लोगों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 27 व्यक्तियों की मौत हो गई। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। पिछले तीन दिनों में सहायता वितरण केंद्र पर आने वाले लोगों पर गोलीबारी की यह तीसरी घटना है। हालांकि इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने कुछ संदिग्धों को निशाना बनाकर गोली दागी थी जिनका सुरक्षा बलों से आमना सामना हुआ था। सुरक्षा बलों ने यह भी कहा कि संदिग्धों ने चेतावनी स्वरूप चलाई गई गोली को नजरअंदाज किया था। इजराइली सैन्य क्षेत्र के अंदर स्थित इजराइल और अमेरिका समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के सहायता वितरण केंद्र पर लगभग हर दिन गोलीबारी की घटना हो रही है। इजराइल का कहना है कि उसने हमास को रोकने के इरादे से यह व्यवस्था की है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने इस नई व्यवस्था को यह कहकर खारिज कर दिया है कि इससे गाजा में व्याप्त भुखमरी के संकट का समाधान नहीं होगा तथा इजराइल इस सहायता वितरण केंद्र को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने संदिग्धों को भगाने के लिए यह गोलीबारी की।

इजराइली सेना के प्रवक्ता एफी डिफ्रिन ने कहा, हमास ने हताहतों की संख्या बढ़ा चढ़ाकर बताई है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सेना फलस्तीनियों को वितरण क्षेत्रों में सहायता केंद्र तक पहुंचने से नहीं रोक रही है, बल्कि उन्हें वहां जाने की अनुमति दे रही है। सहायता वितरण केंद्र का संचालन करने वाले गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन का कहना है कि सहायता वितरण स्थल में या वहां आस-पास कोई हिंसा नहीं हुई है। हालांकि मंगलवार को फाउंडेशन ने माना था कि इजराइली सेना इस बात की जांच कर रही है कि क्या नागरिक उस सुरक्षित गलियारे और घेराबंदी किए गए सैन्य क्षेत्र से निकलने के बाद घायल हुए थे जो कि वितरण केंद्र से दूर था। फाउंडेशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह जानकर दुख हुआ कि सुरक्षित गलियारे से निकलने के बाद कई नागरिक घायल हो गए और कई अन्य मारे गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा है कि गोलीबारी की घटना फाउंडेशन के वितरण स्थल से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर हुई। यह स्थान वीरान पड़े दक्षिणी शहर रफह में स्थित है। रफह के 50 वर्षीय विस्थापित यासर अबू लुब्दा ने कहा कि गोलीबारी मंगलवार सुबह लगभग चार बजे शुरू हुई और उन्होंने देखा कि कई लोग मारे गए या घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मंगलवार तड़के हुई गोलीबारी में कम से कम 27 लोग मारे गए हैं। रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति के प्रवक्ता हिशम म्हाना ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि रफह में उसके फील्ड अस्पताल में 184 घायल लोगों को भर्ती कराया गया है जिनमें से 19 को अस्पताल लाने पर मृत घोषित कर दिया गया जबकि आठ लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बशर असद की सरकार गिरने के बाद पहली बार सीरिया से रॉकेट दागे गए: इजराइल

दमिश्क (सीरिया)। इजराइली सेना ने कहा कि सीरिया से मंगलवार को दो रॉकेट दागे गए जो इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के खुले क्षेत्रों में गिरे। सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार दिसंबर में गिरने के बाद पहली बार सीरियाई क्षेत्र से इजराइल की ओर हमला किया गया है। सीरियाई सरकारी मीडिया ने बताया कि रॉकेट दागे जाने के बाद इजराइल ने सीरिया के दारा प्रांत के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों पर बमबारी की। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने भी इजराइली हवाई हमलों की सूचना दी है, जिसके कारण कुनीत्रा शहर और दारा के ग्रामीण इलाकों में विस्फोट हुए। पिछले साल गाजा में इजराइल के हमले में मारे गए हमास के सैन्य नेता मोहम्मद ज़ैफ के नाम पर रखे गए मोहम्मद ज़ैफ ब्रिगेड नामक समूह ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर एक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली है। यह समूह कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर पहली बार सामने आया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल कैट्ज ने एक बयान में कहा कि उनका देश इजराइल के प्रति हर खतरे और गोलाबारी के लिए सीरियाई राष्ट्रपति को सीधे तौर पर जिम्मेदार मानता है और उन्होंने इसका उचित जवाब देने की चेतावनी दी है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सरकारी टीवी चैनल पर दिए गए एक बयान में कहा कि उसने अब तक सीरिया से इजराइल पर किए गए हमलों की रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि नहीं की है।

संरा सुरक्षा परिषद में गाजा में संघर्षविराम के प्रस्ताव पर मतदान होगा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को उस प्रस्ताव पर मतदान होना है जिसमें गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थाई युद्धविराम की मांग की गई है जिसका सभी पक्षों द्वारा सम्मान किया जाए। अमेरिका के इस प्रस्ताव पर वीटो करने की करने की संभावना है। परिषद के 10 निर्वाचित सदस्यों द्वारा तैयार प्रस्ताव में सात अक्टूबर 2023 को किए गए हमले के बाद दक्षिणी इजराइल से हमास और अन्य समूहों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की मांग दोहराई गई है। गाजा में मानवीय स्थिति को विनाशकारी बताते हुए प्रस्ताव में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश पर लगे सभी प्रतिबंधों को तत्काल और बिना शर्त हटाने तथा संयुक्त राष्ट्र और मानवीय साझेदारों के साथ राहत सामग्री को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से वितरित करने की भी मांग की गई है। इस प्रस्ताव पर बुधवार दोपहर को मतदान होना है और यह ऐसे वक्त लाया गया है जब इजराइल और अमेरिका समर्थित सहायता वितरण स्थल बनाए जाने के बाद करीब-करीब रोज गोलीबारी की घटनाएं हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न सदस्य देशों के राजयनिकों ने मंगलवार को नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका इस प्रस्ताव पर वीटो कर देगा।

बिलावल अमेरिका यात्रा पर एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं

पाक-भारत के बीच खुफिया सहयोग से आतंकवाद को कम किया जा सकता है: बिलावल

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा है कि पाकिस्तान और भारत की खुफिया एजेंसियों के बीच सहयोग से दक्षिण एशिया में आतंकवाद में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। पीपीपी अध्यक्ष भारत के साथ पाकिस्तान के हालिया संघर्ष के बाद समर्थन प्राप्त करने के लिए वैश्विक कूटनीतिक प्रयास के तहत अमेरिका यात्रा पर एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। डॉन अखबार की खबर के अनुसार उन्होंने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि अगर आईएसआई और रॉ इन ताकतों से लड़ने के लिए एक साथ बैठकर काम करने के लिए तैयार हों, तो हम भारत और पाकिस्तान दोनों में आतंकवाद में उल्लेखनीय कमी देखेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि हाल में हुए युद्धविराम के बाद परमाणु शस्त्र संपन्न पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष का जोखिम कम नहीं हुआ है, बल्कि बढ़ गया है।

बिलावल ने कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हस्तक्षेप से - और मैं विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नेतृत्व वाली उनकी टीम द्वारा निभाई गई भूमिका का उल्लेख करना चाहूंगा - हम भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हासिल करने में सफल रहे। यह एक स्वागत योग्य पहला कदम है, लेकिन यह केवल पहला कदम है। गत 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसमें भारत ने छह- सात मई की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए। पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया जिसका भारतीय पक्ष ने कड़ा जवाब दिया। 10 मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाईयों को रोकने पर सहमति बनी। ट्रंप का दावा है कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध से रोक लिया है। हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ शत्रुता समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। बिलावल ने इस बात पर जोर दिया कि कूटनीति और संवाद ही शांति के लिए एकमात्र व्यवहार्य मार्ग है, और उन्होंने आतंकवाद-रोधी सहयोग सहित भारत के साथ व्यापक संवाद में शामिल होने की पाकिस्तान की इच्छा को दोहराया। उन्होंने कहा, आतंकवाद से निपटने के लिए पाकिस्तान अब भी भारत के साथ सहयोग करना चाहेगा। हम 1.5 अरब, 1.7 अरब लोगों के भाग्य को सरकार से इतर तत्वों और आतंकवादियों के हाथों में नहीं छोड़ सकते।

मस्क ने ट्रंप के कर विधेयक को घृणित करार दिया

» वाशिंगटन, भाषा।

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कर और खर्च में कटौती के विधेयक को घृणित करार किया है। रिपब्लिकन पार्टी के विधाई एजेंडे के केंद्रबिंदु माने जाने वाले इस विधेयक को निशाना बनाने वाला मस्क का यह बयान रिपब्लिकन पार्टी में उनकी प्रभाव की परीक्षा होगा। मस्क ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में उनके सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया था। मस्क ने कुछ दिन पहले सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व किया था और हाल में उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया था। मस्क ने एक्स पर लिखा, मुझे खेद है लेकिन मैं अब इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, खर्च संबंधी संसद का यह बड़ा, अपमानजनक, घटिया विधेयक घृणित है। इसके लिए वोट देने वालों पर शर्म आती है आप जानते हैं कि आपने गलत किया।

आप यह जानते हैं। यह विधेयक प्रतिनिधि सभा में पारित हो चुका है और सीनेट में इस पर चर्चा होनी है। यह विधेयक मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी टेस्ला को मिलने वाली सब्सिडी में कटौती करेगा। मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को धमकी भरे अंदाज में एक पोस्ट में लिखा, अगले वर्ष नवंबर में हम उन सभी नेताओं को बर्खास्त कर देंगे जिन्होंने अमेरिकी जनता के साथ विश्वासघात किया है। यह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क के रुख में बड़े बदलाव को दर्शाता है जिन्होंने पिछले साल ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान के समर्थन में कम से कम 25 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। इससे पहले उन्होंने उन रिपब्लिकन सांसदों को हराने में मदद करने की बात की थी जो ट्रंप के प्रति पर्याप्त रूप से वफादार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन अब वह ऐसा सुझाव देते प्रतीत होते हैं कि यदि सांसद राष्ट्रपति की विधाई प्राथमिकता का समर्थन करते हैं तो उन्हें हटाने का प्रयास किया जाए। इस बजट पैकेज में राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2017 में स्वीकृत कर कटौती को आगे बढ़ाने और नई कर कटौती को इसमें जोड़ने का प्रयास किया गया है।

इस साल की हज यात्रा पिछली बार से किस तरह है अलग

इस्लामाबाद, (भाषा)। दुनियाभर से मुसलमान इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक हज के लिए सऊदी अरब के मक्का शहर में जुटे हैं। आने वाले दिनों में लोग1,400 साल से अधिक समय से चले आ रहे हज यात्रा से जुड़े अरकान और इबादत में व्यस्त हो जाएंगे। इस बार भी हज के दौरान यात्रियों को कड़ी धूप समेत कई चुनौतियों का सामना करना होगा। इस साल 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए हज यात्रा पर पाबंदी लगी है। हालिया वर्षों में यह एक बड़ा नीतिगत बदलाव है। बताया जा रहा है कि सऊदी अरब ने यात्रा के दौरान बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐहतियात के तौर पर यह कदम उठाया है क्योंकि भारी भीड़ के चलते उनके लिए माहौल खतरनाक हो जाता है। बच्चों को हज से छूट दी गई है तथा उन्हें यौवन अवस्था में पहुंचने तक नमाज और उपवास जैसी अन्य इस्लामी बाध्यताओं को पूरा करने की आवश्यकता नहीं होती है। पाकिस्तान के लाहौर शहर के तल्हा अयूब ने बताया कि उनके पांच बच्चे अपने दादा-दादी के साथ रह रहे हैं, जबकि वह और उनकी पत्नी आराम से हज कर रहे हैं। एक से 13 वर्ष की आयु के बच्चों के पिता अयूब ने कहा, अगर बच्चों को अनुमति भी दी जाती, तो भी हम शायद उन्हें साथ नहीं ले जाते, क्योंकि इस साल मौसम बहुत खराब है। उन्हें न ले जाने को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे उनकी कमी खलेगी। यात्रियों की आयु के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़े नहीं दिए गए हैं, लेकिन अधिकतर की उम्र 35 से 64 साल के बीच है। हज यात्रा पर औसतन चार हजार (लगभग साढ़े तीन लाख रुपए) से 20 हजार (लगभग 17 लाख रुपए) डॉलर के बीच खर्च आता है। यह खर्च यात्रा के दिनों, सुविधाओं, हज यात्री के देश, मुद्रा, कर आदि पर निर्भर करता है। ज्यादातर विकासशील देशों के लोग हज के लिए आते हैं। कुछ देशों में हज के लिए छूट मिलती है। लेकिन फिर भी हज के खर्च में ज्यादा कमी नहीं आती है। बांग्लादेश की हज एजेंसी एसोसिएशन के महासचिव फरीद अहमद मजूमदार ने कहा कि इस साल देश को 1,27,000 यात्री भेजने की अनुमति थी, लेकिन इतने यात्री नहीं भेजे जा सके। इसका मुख्य कारण यह है कि चीजों की कीमतें बहुत ज्यादा हैं।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर के राष्ट्रपति ने स्थानीय संगीतकारों के साथ काम करने के लिए ए. आर. रहमान को सराहा

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने स्थानीय संगीतकारों का सहयोग करने और संगीत के क्षेत्र में उन्हें उभारने में मदद करने के लिए भारत के जाने माने संगीतकार ए. आर. रहमान की प्रशंसा की है। स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार पत्र ने राष्ट्रपति द्वारा सोमवार को सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट के हवाले से लिखा, एआरआर (ए. आर. रहमान) ने वर्षों से हमारी प्रतिभाओं को उभारने का काम किया है, उन्हें शानदार मौका दिया है। षणमुगरत्नम ने कहा, शास्त्रीय से लेकर समकालीन एवं आधुनिक संगीत तक भारतीय संगीत एवं सांस्कृति के क्षेत्र में हमारी प्रतिभा को स्थानीय परिदृश्य में स्वाभाविक रूप से बहुत कम स्थान मिलता है लेकिन वे सिंगापुर के बहुसंस्कृतिवाद को और अधिक विशेष बनाते हैं। षणमुगरत्नम ने रैपर-गीतकार जोड़ी लेडी काश और क्रिसी, गायक-संगीतकार शबीर एवं रैपर युंग राजा के कार्यों का जिक्र किया, जिन्होंने रहमान के साथ काम किया है।

लेडी काश और क्रिसी हिंदी फिल्म हाइवे के एक गीत वाना मैश अप के लिए रहमान के साथ काम कर चुकी हैं। षणमुगरत्नम ने कहा कि चेन्नई में जन्मे रहमान ने 1980 के दशक में पहली बार भारत के बाहर यात्रा की थी और सिंगापुर वह पहला स्थान था जहां उन्होंने यात्रा की। उन्होंने बताया कि संगीतकार ने स्थानीय म्युजिक स्टोर स्वी ली और सिटी म्युजिक से संगीत वाद्य यंत्र खरीदे थे। षणमुगरत्नम ने लिखा, यह देखकर अच्छा लगता है कि ए दोनों स्थानीय म्युजिक स्टोर इतने वर्षों के बाद भी अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए हैं। षणमुगरत्नम ने पोस्ट में ग्रैमी, ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब पुरस्कार विजेता रहमान के साथ अपनी तस्वीर भी साझा की। रहमान 10 और 11 मई को ले मस्क फिल्म के प्रीमियर के लिए सिंगापुर में थे।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका पहुंचा

» वाशिंगटन, भाषा।

कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों, विभिन्न थिंक टैंक के सदस्यों एवं नीतिगत मामलों के विशेषज्ञों से मुलाकात करेगा और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर , भारत के सामने मौजूद आतंकवाद की चुनौती और क्षेत्रीय सुरक्षा संबंधी स्थिति की जानकारी देगा। यह प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को अमेरिका की राजधानी पहुंचा और बृहस्पतिवार तक यहां रहेगा। यह सर्वदलीय समूह अमेरिकी सांसदों, अमेरिकी थिंक टैंक के सदस्यों और मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत करेगा। विदेश मामलों की संसदीय स्थाई समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कालिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यहां भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वाशिंगटन डीसी पहुंचा है। प्रतिनिधिमंडल अगले दो दिन में अमेरिकी संसद और प्रशासन के सदस्यों, थिंक टैंक, मीडिया और नीति निर्माताओं से मुलाकात करेगा तथा उन्हें ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत रुख के बारे में जानकारी देगा। प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प से अमेरिका को अवगत कराएगा तथा आतंकवाद के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर जोर देगा। मिलिंद देवरा ने कहा कि अमेरिका में मौजूद प्रतिनिधिमंडल और दुनिया के अन्य क्षेत्रों और देशों का दौरा कर रहे ऐसे सर्वदलीय समूह दुनिया को बता रहे हैं कि भारत काफी सह चुका है। उन्होंने कहा कि अब तक उन्होंने जिन भी देशों का दौरा किया है, लगभग उन सभी ने भारत के पक्ष में बहुत ही स्पष्ट और बिना शर्त वाले बयान जारी किए हैं। देवरा ने कहा कि जिस तरह अमेरिका जैसे देशों के पास खुद की रक्षा करने और आतंकवादियों को खत्म करने का पूरा अधिकार है, उसी तरह भारत को भी यही अधिकार है। भारत के विकास के लिए, भारत की अर्थव्यवस्था के फलने-फूलने के लिए, भारत में अमेरिकी निवेश को जारी रखने के लिए भारत में शांति की आवश्यकता है। भारत को मजबूत सीमाओं की आवश्यकता है। भारत को सुरक्षा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम शांति से रहना चाहते हैं। हम चाहेंगे कि हमारे पड़ोसी देशों में स्थिरता हो। कोई भी नहीं चाहता कि उसके बगल में एक अस्थिर सनकी रहे। प्रतिनिधिमंडल के एक अन्य सदस्य सूर्या ने पीटीआई से कहा कि पाकिस्तान की ओर से शुरू हुए आतंकवाद के प्रति कोई रत्ती भर सहानुभूति नहीं रखता। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने जिन देशों का दौरा किया, उन्हें यह बात बहुत स्पष्ट रूप से समझ आ गई है कि भारत को सैन्य तरीके से जवाब देने के लिए क्यों बाध्य होना पड़ा और उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए भारत के कदमों का समर्थन किया है।

भारत के साथ साझेदारी को लेकर दूसरे देश उत्साहित : भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल

वाशिंगटन। अमेरिका के दौरे पर आए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा है कि भारत में निवेश को लोकतंत्र, जिम्मेदार नागरिक नेतृत्व और वैश्विक प्रगति में निवेश के रूप में देखा जा रहा है। सूर्या ने यहां बातचीत में कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अगुवाई वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के चार देशों के दौरे के दौरान उत्साही प्रतिक्रिया पर प्रकाश डाला। यह प्रतिनिधिमंडल ब्राजील की यात्रा पूरी करने के बाद मंगलवार को अमेरिका पहुंचा। इसके पहले प्रतिनिधिमंडल गुयाना, पनामा एवं कोलंबिया की यात्रा कर चुका है। भाजपा सांसद ने कहा, हर एक देश इस बात को लेकर उत्साहित था कि वे भारत को क्या दे सकते हैं और भारत उन्हें क्या दे सकता है। उन्होंने रेखांकित किया कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े तथ्यों को सामने रखने के साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने विनिर्माण और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में संभावित साझेदारी पर भी बात की।

बांग्लादेश ने कानून में संशोधन करके मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ली

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कानून में संशोधन करके बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की राष्ट्रपिता की उपाधि वापस ले ली है और उनका उल्लेख स्वतंत्रता सेनानी के तौर पर किया गया है। बुधवार को मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता मुजीबुर्रहमान के चित्र को नए मुद्रा नोटों से हटाने के कुछ दिन बाद मंगलवार को यह कदम उठाया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन करते हुए स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा में परिवर्तन कर दिया है।

कानून, न्याय और संसदीय मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार रात को संबंधित अध्यादेश जारी किया। खबर में कहा गया है कि कानून में संशोधन के तहत राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान शब्द को भी संशोधित किया गया है। बीडी 24 न्यूज पोर्टल के अनुसार, राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान शब्द और कानून के वे हिस्से जिनमें बंगबंधु शेख मुजीब का नाम था, उन्हें हटा दिया गया है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान अमेरिका के प्रस्ताव पर जल्द ही अपनी प्रतिक्रिया देगा

ईरान के सर्वोच्च नेता ने अमेरिकी प्रस्ताव की आलोचना की लेकिन परमाणु समझौते का विचार खारिज नहीं किया

» दुबई, भाषा।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता के दौरान पेश किए गए अमेरिका के प्रारंभिक प्रस्ताव की बुधवार को आलोचना की लेकिन उन्होंने वाशिंगटन के साथ समझौते के विचार को पूरी तरह खारिज नहीं किया। खामेनेई ने इस बात पर भी जोर दिया कि तेहरान को यूरेनियम संवर्धन की अपनी क्षमता बनाए रखनी होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान द्वारा यूरेनियम संवर्धन रोके जाने की बार-बार मांग की है।

लेकिन यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने ईरान को दिए गए अपने प्रारंभिक प्रस्ताव में इस मुद्दे को किस स्तर तक उठाया था। खामेनेई ने अपने भाषण में जो नहीं कहा, वह भी मायने रखता है। उन्होंने वार्ता को अस्वीकार नहीं किया। इस वार्ता को ईरान अपनी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मानता है। इससे उस पर लगे कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंधों को हटाए जाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। खामेनेई ने परमाणु संवर्धन के किसी खास स्तर पर भी जोर नहीं दिया। ईरान अभी 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान अमेरिका के प्रस्ताव पर जल्द ही अपनी प्रतिक्रिया देगा। ऐसे में बुधवार को दिया गया खामेनेई का भाषण इस प्रतिक्रिया के पूर्वावलोकन के रूप में देखा जा रहा है।

खामेनेई ने अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी की बरसी पर कहा, अगर हमारे पास 100 परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी थे और उनका संवर्धन नहीं हुआ है तो वे हमारे उपयोग करने लायक नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर हम संवर्धन नहीं कर सकते तो हमें अमेरिका के सामने हाथ फैलाना चाहिए। खामेनेई ने अमेरिकी प्रस्ताव को हम कर सकते हैं (ईरान सरकार का नारा) की अवधारणा के पूरी तरह खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के संपूर्ण परमाणु उद्योग को नष्ट करने की कोशिश लंबे समय से कर रहा है। खामेनेई ने कहा, अशिष्ट और अहंकारी अमेरिकी नेता अलग-अलग शब्दों में इस मांग को दोहराते रहते हैं। परमाणु ऊर्जा से संपन्न कुछ राष्ट्र बाहरी आपूर्तिकर्ताओं से यूरेनियम प्राप्त करते हैं। ईरान और अमेरिका के बीच पांच दौर की वार्ता के बाद भी अमेरिकी प्रस्ताव का विवरण अस्पष्ट है। समाचार वेबसाइट एक्सियोस की एक खबर में अमेरिकी प्रस्ताव का विवरण दिया गया है, जिसकी पुष्टि एक अमेरिकी अधिकारी ने अलग से की है। खबर के अनुसार, प्रस्ताव में ईरान और आसपास के देशों के लिए यूरेनियम संवर्धन करने वाले एक संभावित परमाणु संघ की बात भी शामिल है। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि ईरान को अपना संवर्धन कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा या नहीं, क्योंकि एक्सियोस ने खबर दी है कि ईरान कुछ समय तक तीन प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकेगा। ईरान के साथ समझौता करना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके भरोसेमंद मित्र एवं पश्चिम एशिया के मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की कूटनीतिक प्राथमिकताओं में से एक है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगाए गए कुछ कठोर आर्थिक प्रतिबंधों को हटा सकता है जिसके बदले में ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन को सीमित कर सकता है या समाप्त कर सकता है।

उत्तर कोरिया से बातचीत फिर शुरू करेंगे, अमेरिका-जापान साझेदारी मजबूत करेंगे : दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति

» सियोल, भाषा।

दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे-म्यांग ने उत्तर कोरिया के साथ वार्ता फिर शुरू करने और अमेरिका तथा जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने का बुधवार को संकल्प लिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने पांच साल के कार्यकाल के लिए प्रमुख नीतिगत लक्ष्य भी निर्धारित किए। ली ने बुधवार को राष्ट्रपति पद का कार्यभार औपचारिक रूप से संभालने के बाद असमानता और भ्रष्टाचार से लड़ने का संकल्प लिया। वह मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रपति चुने गए। तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक एओल को पिछले साल मार्शल लॉ लगाने के बाद इस साल अप्रैल में बर्खास्त कर दिया गया था, जिस वजह से मध्यावधि चुनाव हुए। नेशनल असेंबली में अपने पहले भाषण में ली ने कहा कि उनकी सरकार दक्षिण कोरिया-अमेरिका सैन्य गठबंधन के आधार पर उत्तर कोरिया के संभावित आक्रमणों का मजबूती से प्रतिरोध करेगी।

उन्होंने कहा कि वह उत्तर कोरिया के साथ एक संचार माध्यम स्थापित करेंगे और वार्ता एवं सहयोग के जरिए कोरियाई प्रायद्वीप पर शांति कायम करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह व्यावहारिक कूटनीति अपनाएंगे और दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन के आधार पर त्रिपक्षीय सियोल-वाशिंगटन-तोक्यो सहयोग को बढ़ावा देंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष किम म्युंग-सू के साथ टेलीफोन पर बातचीत में ली ने सेना से उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने और दक्षिण कोरिया-अमेरिका संयुक्त सैन्य गठबंधन के आधार पर ठोस तैयारी बनाए रखने को कहा। अमेरिका और जापान ने कहा कि वे ली को राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई देते हैं तथा त्रिपक्षीय सहयोग विकसित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा कि वह ली के साथ जितनी जल्दी हो सके , शिखर वार्ता करना चाहते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,